E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 178 | प्रयागराज, सोमवार 02 नवम्बर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर ईरान ने आर्मी एमिनेशन खरीदा,रिपोर्ट-चीन-रूस से मंगवाए मिसाइलों के पुर्जे

तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी के चलते उसके लिए दूसरे देशों से सैन्य सामान मंगाना भी मुश्किल है। इसके बावजूद ईरान ने हथियारों की सप्लाई जारी रखी। रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने 5000 से ज्यादा फर्जी सरकारी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया। इनके जरिए चीन, रूस और दूसरे देशों से मिसाइलों के पुर्जे, विस्फोटक, रॉकेट का ईंधन बनाने वाले केमिकल और भारी ट्रक खरीदे गए। जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच इस नेटवर्क के जरिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा गया। यह पूरा नेटवर्क ईरान के रक्षा मंत्रालय और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई.आर.जी.सी) से जुड़ा है। इस नेटवर्क के जरिए ईरान तेल बेचकर मिलने वाले पैसों से सैन्य सामान खरीदता था। इसके लिए बिचौलियों और विदेशों में बनी फर्जी कंपनियों की मदद ली जाती थी। जांच रिपोर्ट में पता चला कि यह तरीका 2016 से



इस्तेमाल हो रहा था। एजेंसियों के नाम में छिपा था नेटवर्क का राजः- रॉयटर्स ने इजराइल-अमेरिका की रिस्क कंसल्टेंसी '240 एनालिटिक्स' के साथ मिलकर इस नेटवर्क की जांच की। इसमें पता चला कि इन एजेंसियों के नाम एमओडी से शुरू होते थे और आगे 5 या 6 अंकों का नंबर होता था।इनके दस्तावेजों में ईरान के रक्षा मंत्रालय का तेहरान वाला पता और बनने की तारीख 11 फरवरी 1979 दर्ज थी। इसी दिन अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान की सत्ता संभाली थी। हालांकि, रिकॉर्ड के मुताबिक ज्यादातर एजेंसियां 2013 में बनाई गई थीं। उस समय अमेरिकी प्रतिबंधों से ईरान का तेल कारोबार प्रभावित हो रहा था। इन एजेंसियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बिचौलियों और विदेशों में फर्जी कंपनियों का सहारा लिया। इन्हें ट्रस्टी कहा जाता है। ये लोग तेल बेचकर मिले पैसों से सैन्य सामान खरीदते थे। रॉयटर्स ने जिन सौदों की जांच की, उनमें 97फीसदी खरीदारी बिना सीधे पैसे भेजे हुई थी। यानी एक देश से दूसरे देश में रकम ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं पड़ी। इससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम की नजर से बचना आसान हो गया। स नेटवर्क का पता जून 2025 में '240 एनालिटिक्स' के अर्थशास्त्री नोआम बिनस्टॉक को चला। वह बैंक सेपाह के लीक हुए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। यह बैंक आई.आर.जी.सी के कर्मचारियों को वेतन भी देता है। ये दस्तावेज टेलीग्राम और विकीईरान वेबसाइट पर सामने आए थे। इन दस्तावेजों के मुताबिक, दिसंबर 2024 के आखिर में 36 एजेंसियों के पास करीब 1.2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा थी। बाकी एजेंसियों के पास करीब 1.8 अरब डॉलर के बराबर ईरानी मुद्रा थी। जांच में पता चला कि ये एजेंसियां तेल से होने वाली कमाई हासिल कर रही थीं और उससे ऐसे सामान खरीद रही थीं, जिनका इस्तेमाल हथियार बनाने में भी हो सकता है। हर एजेंसी का 11 अंकों का अलग पहचान नंबर था। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइल दागीं,सऊदी पर भी ड्रोन अटैक

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया। अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को



सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है। सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावाः-सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था।हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं। सऊदी अरब के समर्थन से लड़ रही यमन की सरकारः-यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है। वह हूतियों के खिलाफ लड़ रही सरकारी सेना को हवाई मदद भी देता है। वहीं, ईरान पर हूतियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं।

अमेरिका यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा,यूरोप-कनाडा उठाएंगे पूरा खर्च-जेलेंस्की ने हर महीने 100 मिसाइलें मांगीं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है। इस



डील की कीमत करीब 19 हजार करोड़ रुपए है। इसका पूरा खर्च यूरोपीय देश और कनाडा उठाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों से बचाव के लिए हर महीने 100 मिसाइलें देने की मांग की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इस संभावित सौदे को मंजूरी दी। इसके तहत यूक्रेन को पैट्रियट का सबसे आधुनिक वर्जन पीएसी-3 एमएसई मिसाइलें मिलेंगी। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर सकती हैं। जेलेंस्की ने जल्द मिसाइलें पहुंचाने की अपील कीः-राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका की मंजूरी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इनकी सप्लाई शुरू होने में कई साल लग सकते हैं। उन्होंने अमेरिका से जल्द मिसाइलें देने का रास्ता निकालने की अपील की। एक्स पर पोस्ट करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें सर्दियों में यूक्रेन की हवाई सुरक्षा के लिए काफी मददगार हो सकती हैं। लेकिन रूस के हमलों का खतरा अभी है, इसलिए इनकी जरूरत भी अभी है। जेलेंस्की बोले- रूस ने 2 हफ्तों में 30 हमले किएः- राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि अक्टूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के अहम ठिकानों पर 30 से ज्यादा हमले किए हैं। उनके मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन सर्दियों से पहले यूक्रेन की जरूरी सेवाओं को ठप करना चाहते हैं। रूस बिजली, घरों को गर्म रखने की व्यवस्था, पानी की सप्लाई और पुलों को निशाना बना रहा है। जेलेंस्की ने सुझाव दिया कि अमेरिका, यूरोपीय देश और दूसरे सहयोगी अपने पास मौजूद मिसाइलों के भंडार से यूक्रेन को तुरंत मदद दें।

बाद में नई मिसाइलों का उत्पादन करके उनके भंडार की भरपाई की जा सकती है। इससे 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को जरूरी सुरक्षा मिल सकेगी। यूक्रेन के पास पैट्रियट मिसाइलों का स्टॉक खत्मः-यूक्रेन के सामने मिसाइलों की कमी बड़ी चुनौती है। जेलेंस्की ने इसी हफ्ते बताया था कि कीव करीब एक महीने से अमेरिका की मंजूरी का इंतजार कर रहा था।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला,एक महीने में भारतीय क्रू वाले जहाजों पर पांचवां हमला

तेहरान। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में



अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुईं। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले की तैयारीः- अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने मिडिल ईस्ट में अपनी तैयारी बढ़ा दी है। कुछ संवेदनशील ठिकानों से सैनिकों को हटाया जा रहा है और हथियारों का भंडार बढ़ाया जा रहा है। इजराइल की सुरक्षा के लिए पैट्रियट मिसाइल सिस्टम भी भेजा जा रहा है। यह सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और लड़ाकू विमानों को हवा में ही मार गिराता है। हालांकि, ट्रम्प ने अभी हमले का अंतिम फैसला नहीं लिया है। अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत की कोशिशें भी जारीः- ईरान ने गुरुवार को बताया कि उसे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का एक लेटर मिला है, लेकिन उसने अभी तक जवाब नहीं दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देशों के बीच शांति वार्ता फिर शुरू करने की कोशिश की गई थी। ईरान ने अमेरिका से अपनी 7 शर्तें पूरी करने की मांग दोहराई है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि वेंस ने शांति वार्ता के लिए नहीं, बल्कि मेडिकल मदद के लिए ईरान से संपर्क किया था। उनके मुताबिक, ईरान ने बीमार लोगों के लिए दवाइयां और जरूरी सामान मांगा था। इस पर उन्होंने मदद देने की मंजूरी दे दी।

मोसाद करेगी इजराइल के आम चुनाव की जांच,विदेशी दखल का आरोप

चुनाव आयोग बोला- इससे नतीजों पर कोई असर नहीं हुआ

तेल अवीव। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद इस हफ्ते हुए चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच करेगी। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस जांच में आंतरिक



सुरक्षा एजेंसी शिन बेट भी शामिल होगी। आरोप है कि कतर और कुछ दूसरे देशों ने मंगलवार को हुए चुनाव में अरब वोटर्स को पैसे देकर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने की कोशिश की। इस चुनाव में अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिली हैं। यह इतिहास में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पार्टी के नेताओं ने भी अरब पार्टियों पर चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। इजराइल के केंद्रीय चुनाव आयोग ने साफ किया है कि जांच का दायरा सीमित है। आयोग के मुताबिक, इस मामले से चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ा है और न ही नतीजों पर सवाल उठता है। इजराइल में आज कई शहरों में यहूदी और अरब पार्टियों को मिलाकर सरकार बनाने के समर्थन में प्रदर्शन होंगे। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, स्टैंडिंग टुगेदर ग्रुप ने शाम 7:30 बजे तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर, यरुशलम के पेरिस स्क्वायर, बीरशेबा, हाइफा और तायबे में प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की है। इजराइल की यिस्राइल बेतेनु पार्टी के चीफ एविगडोर लिबरमैन ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी ऐसी किसी सरकार में शामिल नहीं होगी, जिसमें उनके मुताबिक आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोग हों। लिबरमैन ने शुक्रवार को फेसबुक पर पोस्ट कर कई अरब और वामपंथी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आतंकियों का समर्थन करने वालों को इसकी कीमत चुकानी चाहिए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बेटे यायर नेतन्याहू ने इजराइल के अरब नागरिकों को देश के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बाद इजराइली अरब नागरिक देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। द यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, यायर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चुनाव नतीजों को लेकर यह बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि वेस्ट बैंक और गाजा के फिलिस्तीनियों, तुर्किये और पश्चिमी देशों में बढ़ते यहूदी-विरोध से भी बड़ा खतरा इजराइल के अरब नागरिकों से है। यायर ने लिखा कि इजराइल लंबे समय तक ऐसे हालात में नहीं टिक सकता, जहां उसकी 20फ आबादी उसके दुश्मनों का समर्थन करती हो और देश का विनाश चाहती हो। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है। पार्टी को चुनाव में 7 सीटें मिली हैं। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी ने समर्थन के बदले हरेदी समुदाय के लोगों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग की है। इजराइल में आमतौर पर नागरिकों के लिए सेना में सेवा देना अनिवार्य है। हालांकि, हरेदी समुदाय के धार्मिक छात्रों को अब तक इससे बड़े स्तर पर छूट मिलती रही है। इजराइल में सरकार बनाने के लिए चुने गए नेता को शुरुआत में 28 दिन का समय मिलता है। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति इसे 14 दिन और बढ़ा सकते हैं। यानी सरकार बनाने के लिए कुल 42 दिन मिल सकते हैं। इस दौरान नेता को दूसरी पार्टियों से बातचीत कर समर्थन जुटाना होता है। इसके लिए पार्टियों के बीच नीतियों और मंत्रिपदों को लेकर समझौते हो सकते हैं।सरकार बनाने के लिए आम तौर पर संसद में 61 सीटों का समर्थन जरूरी होता है। अगर नेता 61 सीटों का समर्थन नहीं जुटा पाता, तो वह छोटी पार्टियों के सहयोग से अल्पमत सरकार बनाने या दो नेताओं के बीच बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनने का समझौता करने की कोशिश भी कर सकता है।

पूर्व बांग्लादेशी अफसर पर रॉ जासूस होने का शक,एक दिन पहले शव मिला-हसीना के भागने का वीडियो बनाने के बाद नौकरी से निकाला गया

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के भारत भागने का वीडियो बनाने वाले एयरफोर्स अधिकारी केएम तौसीफ सौरी का शव 28 अक्टूबर को ढाका की तुराग नदी में मिला। उन पर भारत की खुफिया एजेंसी रॉ से जुड़े होने का आरोप लगा था। बांग्लादेश के अखबार अमर देश ने आरोप लगाया था कि एयरफोर्स की जांच में कुछ अधिकारियों के रॉ से संबंध सामने आए हैं। हालांकि, बांग्लादेश के सैन्य जनसंपर्क निदेशालय ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। जेब में मिले आईफोन से पहचान हुईः- बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अधिकारी का शव राजाबाड़ी घाट के पास मिला। सौरी ने सफेद पेंट और काली शर्ट पहनी हुई थी। शुरुआत में पुलिस शव की पहचान नहीं कर सकी। उनकी जेब से मिले आईफोन की मदद से पहचान हुई। शव के साथ एक कलाई घड़ी भी मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर से भारत आ गई थीं। उनका देश छोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना



के कुछ दिन बाद सितंबर 2024 में सौरी को एयरफोर्स से हटा दिया गया। उनके पिता के मुताबिक, परिवार को बताया गया था कि उन्हें अनुशासन से जुड़ी वजहों से हटाया गया है। हालांकि, परिवार का कहना था कि सौरी का रिकॉर्ड अच्छा था और वे करीब 200 घंटे विमान उड़ा चुके थे। एयरफोर्स ने भी कहा था कि उन्हें हटाने का हसीना के वीडियो से कोई संबंध नहीं था। उन्हें नियमों के तहत सेवा से रिटायर किया गया था। जुलाई 2026 में सौरी 'स्पीक विद राशिद' नाम के पॉडकास्ट में शामिल हुए थे। उनसे पूछा गया कि क्या हसीना का वीडियो बनाने की वजह से उनकी नौकरी गई थी? इस पर उन्होंने कहा था, 'हो सकता है।' रॉ से संबंधों के आरोपों पर उन्होंने कहा था कि रिपोर्ट प्रोपेगेंडा थी। इसके जरिए उनके खिलाफ गलत बातें फैलाई गई थीं। इसी पॉडकास्ट में सौरी ने 21 जुलाई 2025 को हुए फाइटर जेट हादसे की जांच पर भी सवाल उठाए थे। बांग्लादेश एयरफोर्स का एक ट्रेनिंग विमान ढाका के मिलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज में गिर गया था। हादसे में 37 लोगों की मौत हुई थी और 170 से ज्यादा घायल हुए थे। सौरी ने विमान के रखरखाव और हादसे की जांच पर सवाल उठाए थे। सौरी के पिता इनायतुल करीम हेलाल ने बताया कि पॉडकास्ट वायरल होने के बाद उनका बेटा अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहने लगा था। उन्होंने कहा कि सौरी कभी-कभी डर लगने की बात करते थे, लेकिन इसकी वजह नहीं बताते थे। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, सौरी के पिता और चचेरी बहन ने उनकी हत्या किए जाने का शक जताया है। हालांकि, अभी उनकी मौत की वजह साफ नहीं हुई है। पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही पता चलेगा कि उनकी मौत कैसे हुई।

पुतिन की यूरोप को चेतावनी- रूस से टकराव महंगा पड़ेगा,बोले- बाल्टिक सागर में जहाजों की आवाजाही में दखल न दें

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि रूस से टकराव बढ़ाना उनके लिए महंगा पड़ सकता है। मॉस्को में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा, अगर बाल्टिक सागर में जहाजों की आवाजाही रोकने की कोशिश की गई, तो वहां भी होर्मुज जैसे हालात बन सकते हैं। पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप के साथ युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई देश उससे टकराव करता है तो उसे इसके नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तनाव बहुत ज्यादा बढ़ा तो किसी की जीत नहीं होगी। बाल्टिक सागर को लेकर क्यों नाराज हैं पुतिनः- बाल्टिक सागर रूस और यूरोप के बीच सामान लाने-ले जाने का एक अहम रास्ता है। रूस समेत कई यूरोपीय देश इसका इस्तेमाल व्यापार के लिए करते हैं। यहां से तेल, गैस और दूसरी चीजें जहाजों के जरिए एक देश से दूसरे देश पहुंचाई जाती हैं। यूक्रेन से जंग शुरू होने के बाद रूस और यूरोपीय देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बाल्टिक सागर के आसपास नाटो देशों की मौजूदगी भी है। रूस को डर है कि अगर यूरोपीय देशों ने उसके जहाजों को इस रास्ते से गुजरने से रोका, तो उसके व्यापार पर असर पड़ेगा। पुतिन इसी बात को लेकर चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जहाजों की आवाजाही रोकी गई तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसका असर सिर्फ रूस पर नहीं, बल्कि दूसरे देशों के व्यापार पर भी पड़ेगा। पुतिन ने फिनलैंड और नॉर्वे के पीएम से बातचीत का



बचाव कियाः-पुतिन ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे से फोन पर हुई बातचीत का भी बचाव किया। दोनों नेताओं ने इसी हफ्ते उनसे बात की थी। यूरोप के कुछ नेताओं ने रूस से बातचीत करने के उनके फैसले की आलोचना की थी। पुतिन ने कहा कि रूस और यूरोपीय देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए बातचीत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को यूरोप के साथ संबंध बेहतर करने की कोशिशों के लिए तैयार है। यूरोप और रूस के बीच क्यों छिड़ा विवादः-1. समुद्र में रूसी जहाजों की नाकाबंदी-पश्चिम के प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस बिना सही कागजात और पुरानी जहाजों से बाल्टिक सागर के रास्ते तेल बेचता है। यूरोपीय देश इन जहाजों को पर्यावरण और सुरक्षा का हवाला देकर समुद्र में रोकने और जांचने की कोशिश कर रहे हैं। रूस इसे अपने व्यापार पर सीधा हमला मान रहा है। 2. बाल्टिक सागर पर नाटो की निगरानीः-फिनलैंड और स्वीडन के नाटो में शामिल होने से बाल्टिक सागर के लगभग 90फीसदी किनारे नाटो देशों के नियंत्रण में आ चुके हैं। रूस को डर है कि उसके मुख्य समुद्री रास्तों (सेंट पीटर्सबर्ग और कलिनिनग्राद) को यूरोपीय देश कभी भी पूरी तरह बंद कर सकते हैं। 3. कूटनीतिक बातचीत पर यूरोपीय संघ में फूटः-फिनलैंड और नॉर्वे के नेताओं ने हाल ही में पुतिन से सीधी फोन पर बातचीत की थी। पोलैंड और कुछ यूरोपीय देशों ने इस बातचीत का विरोध किया। उनका मानना है कि युद्ध के दौरान पुतिन से बात करने से यूरोप की एकजुटता कमजोर पड़ती है। 4. समुद्र के नीचे जासूसी का डरः-यूक्रेन जंग के दौरान बाल्टिक सागर के नीचे बिछी इंटरनेट केबल और गैस पाइपलाइनों को कई बार नुकसान पहुंचा है। इसके बाद रूस और यूरोपीय देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

अमन कॉन्वेंट हाई स्कूल, मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों ने किया नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण

विद्यार्थियों ने जाना तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण का महत्व, विभिन्न उपकरणों की कार्यप्रणाली से हुए परिचित

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) वाराणसी। नैनी/प्रयागराज। शनिवार को मध्य प्रदेश स्थित अमन कॉन्वेंट हाई स्कूल, बहरी के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (Naini Industrial Training Centre), नैनी, प्रयागराज का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण



केंद्र के प्रधानाचार्य महोदय द्वारा विद्यार्थियों को संस्थान में संचालित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण ट्रेडों की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के औजारों एवं तकनीकी उपकरणों से रूबरू कराते हुए उनके उपयोग, कार्यप्रणाली तथा व्यावहारिक महत्व के बारे में



विस्तारपूर्वक समझाया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। उन्हें बताया गया कि वर्तमान समय में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं



तकनीकी दक्षता भी उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस शैक्षणिक भ्रमण में विद्यालय के संचालक आदरणीय नवीन सिंह



चंदेल, प्रधानाचार्य महोदय सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रबंधन एवं प्रशिक्षण स्टाफ की महती भूमिका रही। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी अनुभव बताया। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगार के योग्य बनाना है।

जे.एस.पी. महाविद्यालय कसया कला सोनभद्र में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड कर्मा के अंतर्गत कसया कला स्थित जे.एस.पी. महाविद्यालय में देश के पहले गृह मंत्री और 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य आकर्षण और कार्यक्रमः- सद्भावना और एकता मार्चः महाविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर सरदार पटेल के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एकता मार्च निकाला। विचार गोष्ठीः कार्यक्रम के दौरान एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान और रियासतों के एकीकरण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियांः छात्र-छात्राओं ने भाषण, कविता पाठ और देशभक्ति गीतों के माध्यम से सरदार पटेल के जीवन और उनके संघर्षों को याद किया। 'अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती हमें देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की प्रेरणा देती है।' इस आयोजन से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

क्या आप इस कार्यक्रम के संबंध में कोई विशेष जानकारी या प्रेस विज्ञप्ति तैयार करवाना चाहते हैं?

सभी संस्थान के अध्यापक कर्मचारी सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहेः- जेएसपी महाविद्यालय इंद्र प्रताप बीटीसी कॉलेज सरदार वल्लभभाई पटेल आईटीआई पारस सिंह कॉलेज ऑफ़ फार्मेसी हंस अलेक्स पब्लिक स्कूल जेएसपी डी फार्मा प्रबंधनिदेशक डॉ प्रसन्न पटेल, संस्थापक बाबू पारसनाथ सिंह,उप प्रबंधकममता सिंह डॉ दशरथ, डॉ प्रकाश कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, जयप्रकाश वर्मा, अरविन्द, उजाला मौर्या, शिवांगी यादव, महेंद्र मिश्रा, अशोक कुमार, संध्या सिंह।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती मनाई गयी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने पुलिस कार्यालय में माल्यार्पण कर अर्पित किए श्रद्धासुमन, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ।

दिनांक 31.10.2026 को लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर पुलिस कार्यालय चुर्वक में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अभिषेक वर्मा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। तत्पश्चात

पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा

बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों एवं राष्ट्र की एकता और

अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उनके संकल्प को स्मरण किया गया।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक,

अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल, क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी

सदर/यातायात, प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन एवं पुलिस कार्यालय में नियुक्त समस्त

अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद सोनभद्र के समस्त

थानों पर भी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया

तथा उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

वाराणसी काशी सांसद रिंग टेनिस टूर्नामेंट का भव्य समापन, पदक विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित,सनबीम स्कूल वरुणा में तीन दिवसीय प्रतियोगिता संपन्न, अंतिम दिन खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) वाराणसी। शनिवार को सनबीम स्कूल वरुणा में आयोजित तीन दिवसीय काशी सांसद रिंग टेनिस टूर्नामेंट 2026 का शनिवार को भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए जोरदार मुकाबला किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि हर्ष मधोक ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी मजबूत करता है।



प्रतियोगिता के अंतिम दिन 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला एकल तथा युगल मुकाबले आयोजित किए गए। पुरुष एकल वर्ग में वेदांत जायसवाल ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि आदित्य अग्रवाल उपविजेता रहे। महिला एकल वर्ग में श्रेया यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और अनुष्का त्रिपाठी उपविजेता बनीं। इसी क्रम में पुरुष युगल वर्ग में अंकेश यादव एवं वेदांत की जोड़ी विजेता रही, जबकि श्रेयांश एवं आदित्य अग्रवाल की जोड़ी उपविजेता रही। महिला युगल वर्ग में सुकैना एवं श्रेया की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं नंदनी एवं सारा की जोड़ी उपविजेता रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन नीलेश मिश्रा ने किया। समापन अवसर पर उत्तर प्रदेश रिंग टेनिस एसोसिएशन की सचिव मनीषा रानी ने सभी अतिथियों, आयोजकों, खिलाड़ियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में खिलाड़ियों के उत्साह, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। आयोजन का उद्देश्य रिंग टेनिस खेल को बढ़ावा देना तथा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना रहा।

सपा नोएडा महानगर ने सरदार पटेल व आचार्य नरेंद्र देव की मनाई जयंती

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) नोएडा। शनिवार को बाद एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने



सपा नोएडा महानगर द्वारा सपा नोएडा महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 नोएडा में महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल और महान समाजवादी आचार्य नरेंद्र देव की जयंती धूमधाम से मनाई।

जबकि संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। इस अवसर पर दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई इसके उनके जीवन दर्शन सिद्धांतों और देश हित में किए गए अतुल्य योगदान पर विस्तार से चर्चा की। महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता ने कहा कि सरदार पटेल ने राष्ट्र की एकता

और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया आज का दिन राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है जो देश की एकता अखंड और भाईचारे का प्रतीक है। महासचिव विकास यादव व समाजवाद के माध्यम से समानता और भाईचारे का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में डॉ. आश्रय गुप्ता महानगर अध्यक्ष, बबलू चौहान विधानसभा अध्यक्ष, महासचिव विकास यादव, विनोद प्रधान, विपिन चौहान, मनोज प्रजापति, गौरव यादव, रेणुका मेथी, सोनू कुमार, केपी यादव, देवपाल यादव, नूर हसन, रूप सिंह यादव आदि शामिल हुए।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल को अधिवक्ताओं ने जयंती पर किया याद,डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सभागार में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई 151वीं जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के तत्वावधान में शनिवार को डीबीए सभागार में देश के प्रथम गृह मंत्री, राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके महान व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री एवं पूर्व डीजीसी रामजियावान सिंह यादव ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी कुशल राजनीतिक सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव को मजबूत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के ऐसे प्रतीक थे, जिनका संपूर्ण जीवन देशहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आज भी देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। यही लौह पुरुष के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार मौर्य, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेश कुमार यादव, पंकज यादव, राजकुमार सिंह, सुरेश सिंह, रियाज खान, संतोष यादव, कामता प्रसाद यादव, संगीता, सुमन एडवोकेट, अनूप शुक्ला, आकृति निर्भया, बीपी सिंह, चतुर्भुज शर्मा, सुदेश कुमार, हरिद्वार, रामगुल्ली यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

चतरा में किसान पन्चायत में अन्नदाताओ का सुना दुख दर्द- संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चतरा ब्लाक में आयोजित किसान पन्चायत में किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र अपने प्रतिनिधिमण्डल के साथ पहुंचे तथा उपस्थित सभी किसान परिवारि जनो के दुःख दर्द को सुना पन्चायत को सम्बोधित करते हुए मिश्रा ने केन्द्र व प्रदेश सरकार को खुब फटकारा और कहा की आदिवासी भाई बहनो व अपने जनपद के अन्नदाताओ का अनादर किसी किमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा साथ ही उन्होंने कहा कि जब कोई किसान अपनी जमीन नहीं देना चाहता तो जनपद प्रशासन क्यों जबरदस्ती जमीन ले?

ना चाहता है सरकार पुनः इस औद्योगिक एक्सप्रेस वे के एलाइमेन्ट पुनर्विचार करे तथा पिएसपी प्रोजेक्ट को वापस ले अन्यथा मोर्चा करेगा बड़ा आन्दोलन साथ ही श्री मिश्रा ने कहा कि अर्नब तूफान की वजह से जो अन्नदाताओ की फसलों का नुकसान हुआ है

उसका त्वरित निरिक्षण कर सबको मुवावजा दे सरकार आज के कार्यक्रम में मोतिलाल यादव रामकरन नागेन्द्र लाकडा नन्दलाल भारती सोनु कुजुर आकाश

चौहान सत्रुधन बिन्द सतेन्द्र प्रजापति राधा फुलमतिया अरविन्द विजय दिनेस चेरो सन्तोष चेरो विन्दू खरवार व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

विशेष कैंप में 60 लाख का टैक्स जमा, 65 वाहन स्वामियों को पेनाल्टी में मिली छूट

सोनभद्र में 11,567 वाहन स्वामियों पर 89 करोड़ रुपये का था टैक्स बकाया, नोटिस और आरसी के बाद भी नहीं कर रहे भुगतान

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को बड़ी संख्या में वाहन स्वामी बकाया जमा नहीं कर रहे हैं।



परिवहन विभाग के विशेष कैंप में शनिवार को 65 वाहन स्वामियों ने बकाया टैक्स जमा कर पेनाल्टी में छूट का लाभ उठाया। कैंप के माध्यम से करीब 60 लाख रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई। वहीं, जनपद में अभी भी 11,500 वाहन स्वामियों पर करीब अट्ठासी करोड़ चालीस लाख रुपये का टैक्स बकाया है। विभाग की ओर से नोटिस जारी करने और तहसील के माध्यम से आरसी भेजे जाने के बावजूद बकाया राजस्व की वसूली में तेजी लाने और वाहन स्वामियों को राहत देने के उद्देश्य से शनिवार को परिवहन विभाग कार्यालय परिसर में विशेष कैंप लगाया गया। इसमें वाहन स्वामियों को बकाया टैक्स की पेनाल्टी में छूट का लाभ दिया गया। कई वाहन स्वामियों ने डिजिटल भुगतान के जरिए भी बकाया जमा कर छूट का लाभ उठाया। कैंप में वाहन स्वामियों की सहभागिता से विभाग को करीब 60 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। उधर, परिवहन विभाग ने बड़े बकायेदारों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। बड़े बकायेदारों में सौरभ सिंह, बालाजी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड की पांच गाड़ियां, नीलम ग्रुप, आशुतोष कुमार पाठक, अभिषेक और नीरज कुमार के नाम शामिल हैं। विभाग की ओर से इन बकायेदारों से भी राजस्व वसूली के लिए कार्रवाई की जा रही है। एआरटीओ कौशल कुमार सिंह ने बताया कि विशेष कैंप में 65 वाहन स्वामियों ने बकाया टैक्स जमा कर पेनाल्टी में छूट का लाभ प्राप्त किया। इससे करीब 60 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की कि वे बकाया टैक्स जल्द जमा कर दें। राजस्व वसूली में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी और बड़े बकायेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान एआरटीओ प्रवर्तन सुधा सिंह, प्रधान सहायक कृपाकर दुबे, ललित नरायण त्रिपाठी, विनोद सोनकर, अमल त्रिपाठी, विकास सोनकर, डीवीए अनूप कुमार, सारथी स्टॉफ दीपक सिंह आदि रहे।

फिर से हमें पटेल चाहिए,आतंकियों पर नकेल चाहिए

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को शहीद स्थल करारी व सोनभद्र बार एसोसिएशन साहित्य प्रकोष्ठ के संयुक्त संयोजन में बार सभागार कचहरी में शनिवार को काव्य संध्या का आयोजन जागरण किये और वाहवाही लूटी। ओज के सशक्त हस्ताक्षर प्रभात सिंह चंदेल ने, महंगाई पर सत्ता को नसीहत देती रचना, सरहदों के पार हुई चीनी घुसपैठ, मीठी वाली चीनी अब मुंह है चिढ़ाने लगी सुनाकर स्वदेशप्रेम ने, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाकर कवि मन को धार दिये। गायक सुशील मिश्रा ने ,धनि धनि पटेल जी भारत के ललनवां, जै जै हिंदुस्तान गूंजै



लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि ईश्वर विरागी दिवाकर दिवेदी मेघ अजय चतुर्वेदी कक्का व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव एड महामंत्री योगेश कुमार दिवेदी ने सरस्वती व पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर आयोजन को गति दिये। वाणी वंदना करते हुये आयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी ने, तम हर जग माँ जगमग कर दे, से आरंभ कर अपनी रचना, फिर से हमें पटेल चाहिए, आतंकियों पर नकेल चाहिए, राष्ट्र अखंडता रहे सुरक्षित, अपराधियों को जेल चाहिए सुनाकर रोमांच भर दिये सराहे गये। ओज व श्रृंगार की सशक्त कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान शिक्षक ने, जिंदगी में सफल है वहीं आदमी, जिसके मन में भरा प्रेम का भाव है, सशक्त रचना से ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय कबीर की वाणी को अभिव्यक्ति दी सराही गयीं।राष्ट्रवाद के सजग प्रहरी धर्मेश चौहान एड ने मुखर स्वर से देश को नमन करते हुए, देश से कुछ भी बड़ा नहीं इंसान के लिए, तन मन हमारा अर्पित हिंदुस्तान के लिए सुनाकर गतिज उर्जा दिये। संचालक अशोक तिवारी ने शाइरी करते हुए, जो न होता हमें बेसहारों का ख्याल, हम आसमां के बराबर जमीं पर होते सुनाकर संवेदना झंकृत किये। दिवाकर दिवेदी मेघ ने, बडा मुश्किल समझना और समझाना जमाने को, सभी बेताब हैं सबको यहाँ नीचे झुकाने को सुनाकर समाज की विद्रूपता को अभिव्यक्ति दिये। दिलीप सिंह दीपक गीतकार ने, आंधियों का है समय तूफान थमना शेष है, है घनेरा तम मगर सूरज निकलना शेष है सुनाकर, आम आदमी की पीर उकेरा। विवेक चतुर्वेदी ने गजल, कता नज्म सुनाया तो वहीं मदन चौबे एड ने मुक्त छंद से जन रंजन किया और लोगों को सोचने पर दिवस किये। विनोद कुमार सिंह शिक्षक ने अपनी रचना नवगीत के माध्यम से लोगों को भावुक कर दिये, उनकी रचना, जग दृष्टा बन मैं पहचानूँ निश्छल मन में वेग तुम्हारा, स्वयं जिसे मैं समझ रहा वहीं छिपा है प्रेम तुम्हारा सराही गयी। दयानंद दयालू ने दहेज पर कविता, देखा बाबू पढ़ल लिखल उल्टा समाज के, कवन बा ईलाज एह बिगड़ल मिजाज के सुनाकर कल्पना शक्ति को बल दिया। सुधाकर जगमग गगनवां , स्सवर गाकर चार चांद लगाये। राकेश शरण मिश्र एड ने प्रथम गृह मंत्री लौहपुरुष सरदार पटेल को समर्पित समसामयिक सारगर्भित सशक्त रचना पाठ से पूरी महफ़िल लूट लिया और उनके कृतित्व व्यक्तित्व का मूल्यांकन कर नमन् किये।अंत में अध्यक्षता करते हुए ईश्वर विरागी थाम लेंगे वक्त को चलने न देंगे,ऐ हिंद हम तुझको कभी झुकने न देंगे कालजयी रचना सुनाकर अमिट छाप छोड़ गये। हास्य व्यंग्य के वरिष्ठ कवि अजय चतुर्वेदी कक्का ने राजनीति पर मारक रचना, खूब फुटानी छांट रही है, राजनीति हमें बांट रही है, सपा ने चंदन पोछवाया, भाजपा चुंडी काट रही है सुनाकर वाहवाही लूटी। प्रेमी बौद्ध ने भी काव्य पाठ किया।आभार ऋषभ त्रिपाठी ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर संदीप कुमार शुक्ल जयशंकर त्रिपाठी देवानंद पांडेय गोपाल बंगाली त्रिपुरारी मिश्रा प्रदीप कुमार सिंह ठाकुर कुशवाहा फारुख अली हाश्मी गुलाम हुसैन हर्ष चौहान राधा प्रसाद चौहान अजीत शुक्ल आदि देर शाम तक जमे रहे।

विधानसभावार दो दिवसीय वृहद रोजगार मेले का होगा आयोजन, बेरोजगार अभ्यर्थियों को मिलेगा रोजगार का अवसर

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) सोनभद्र। जिला सोनभद्र के तत्वावधान में जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधानसभावार वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत विधानसभा घोरावल में दिनांक 03 नवंबर, 2026 को प्रातः 10:00 बजे से आर0 आर0 पॉलीटेक्निक, हिन्दुआरी, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेले का आयोजन होगा। वहीं विधानसभा दुद्धी में दिनांक 04 नवंबर, 2026 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), दुद्धी, सोनभद्र के परिसर में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। जनपद के समस्त बेरोजगार अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पहुंचकर रोजगार मेले में प्रतिभाग करें तथा उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं। इस आयोजन का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ना एवं उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।



सेवायोजन अधिकारी विवेक साह द्वारा अवगत कराया गया कि जिला सेवायोजन कार्यालय,

'दि' वर्किंग न्यूज रिपोर्टर्स-एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न,पत्रकार समाज का सजग प्रहरी होता है- महापौर

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) नैनी/प्रयागराज। 'दि' वर्किंग न्यूज रिपोर्टर्स एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार की सुबह तकरीबन 10:30 बजे नैनी थाने के समीप स्थित बालाजी गेस्ट



हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर उमेश चंद गणेश केसरवानी रहे। इस मौके पर महापौर गणेश केसरवानी ने नरेंद्र श्रीवास्तव को एशोसिएसन के अध्यक्ष, शिवमूरत केसरवानी



को सचिव, गौरव केसरवानी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राहुल जायसवाल को उपाध्यक्ष, अखिलेश शुक्ला को कोषाध्यक्ष, हजारीलाल वुशवाहा को संरक्षक, दिलीप जायसवाल, उमाशंकर गुप्ता, रामबाबू, राहुल कुशवाहा को सदस्य पद हेतु शपथ दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर महापौर उमेश चंद गणेश केसरवानी ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया, कि पत्रकार समाज का सजक प्रहरी होता है। उस पर समाज की नजर रहती है। पत्रकार अपनी कलम के माध्यम से क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर करता है। उन्होंने कहा, कि पत्रकार को सदैव निष्पक्षता पूर्वक अपनी लेखनी को चलाना चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से पत्रकारों ने महापौर को एक ज्ञापन देते हुए बताया, कि कोरोना काल के बाद नैनी में लगभग अखबार के सभी ऑफिस बंद हो गए। जिसकी वजह से पत्रकारों को समाचार संकलन में काफी असुविधा महसूस हो रही है। पत्रकारों ने भवन के लिए जमीन की मांग की है। जिस पर महापौर ने अविलंब जमीन की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वामी डॉ0 चंद्र देव मिश्र संरक्षक श्री सच्चा बाबा आश्रम अरैल, श्री संकर्षण शरण जी महाराज कथा व्यास/ महंत/ अध्यक्ष- मां कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट भारतवर्ष, आचार्य डॉ0 श्री प्रकाश द्विवेदी उर्फ छोटे महाराज विश्व रिकॉर्ड धारी अध्यक्ष- विश्व कल्याण एवं ज्योतिष शोध संस्थान, श्री विदुप अग्रहरि वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रहरि समाज, सत्यम शुक्ला भाजपा नेता /प्रदेश मंत्री उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, बब्बन दुबे प्रदेश कार्य समिति सदस्य समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश, ज्ञानेश्वर तिवारी प्रबंधक सेमेस्टर ग्लोबल स्कूल, प्रदीप महरा (शास्त्री) वरिष्ठ समाजसेवी एवं पार्षद अरैल ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह वरिष्ठ,समाजसेवी रहे। कार्यक्रम में बी.एल एकेडमी स्कूल के बच्चों ने गणेश वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद सभी लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव ने सभी को धन्यवाद व्यापित किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस मौके पर राकेश जायसवाल (पार्षद), रणविजय सिंह डब्बू (पार्षद), धरनीश प्रताप सिंह उर्फ मंचो (पार्षद), मयंक यादव (पार्षद), नामित पार्षद दिलीप केसरवानी (बबलू), शिव शंकर दीक्षित, नरसिंह, धीरेंद्र कुमार यादव उर्फ (धीरू) समाजवादी पार्टी, राकेश श्रीवास्तव, नयन वुशार कुशवाहा, श्रीमती आस्था पांडेय, हरिशंकर सिंह, आर.एल.डी दुबे, आर.के शुक्ला, संजय श्रीवास्तव समेत सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने नव सृजित अहमदाबाद हेरिटेज सिटी डाक मंडल एवं पोस्टमास्टर जनरल (लॉजिस्टिक्स) कार्यालय का किया शुभारंभ

उत्तर गुजरात परिक्षेत्र बना गुजरात सर्किल का सबसे बड़ा डाक परिक्षेत्र, भावनगर व सुरेंद्रनगर डाक मंडल भी हुए इसमें शामिल-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव,डाक सेवाओं के विस्तार, बेहतर प्रबंधन और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक, उत्तरदायी एवं सुदृढ़ डाक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) अहमदाबाद/ रायबरेली। भारतीय डाक विभाग ने प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश में सेवा वितरण को बेहतर बनाने, व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार, कार्यकुशलता में वृद्धि तथा राजस्व में सतत बढ़ोतरी सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रशासनिक व्यवस्था



को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में प्रशासनिक यूनिट्स का पूरे देश में पुनर्गठन किया है। इसी क्रम में गुजरात सर्किल में अहमदाबाद, वड़ोदरा, राजकोट के अलावा सूरत में एक नए पोस्टल रीजन का सृजन किया गया है। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक विभाग ने लॉजिस्टिक्स व्यवसाय को प्राथमिकता देते हुए पोस्टमास्टर जनरल (लॉजिस्टिक्स), गुजरात सर्किल एवं निदेशक (सेल्स) के नए पद व कार्यालय स्थापना को भी मंजूरी दी है। गुजरात में पाँच नए डाक मंडल- अहमदाबाद हेरिटेज सिटी, अहमदाबाद उत्कर्ष, दाहोद, सूरत (पूर्वी) व गाँधीधाम सृजित किये गए हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन की यह नई व्यवस्था 1 नवंबर, 2026 से लागू होगी। नव सृजित अहमदाबाद हेरिटेज सिटी डाक मंडल का अहमदाबाद जीपीओ परिसर में शुभारंभ करते हुए उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि अहमदाबाद जिले में डाक प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाने के लिए अब तीन डाक मंडल कार्यरत होंगे- अहमदाबाद सिटी, अहमदाबाद हेरिटेज सिटी तथा अहमदाबाद उत्कर्ष डाक मंडल। इनके मुख्यालय क्रमशः नवरंगपुरा प्रधान डाकघर, अहमदाबाद जीपीओ और धौलका डाकघर भवन परिसर में स्थापित होंगे।

नव सृजित अहमदाबाद हेरिटेज सिटी मंडल से अहमदाबाद के पूर्वी भाग की डाक व्यवस्था संचालित होगी। वहीं, बाग,अहमदाबाद में पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने शुभारंभ किया। पोस्टमास्टर जनरल (लॉजिस्टिक्स) का



अहमदाबाद उत्कर्ष डाक मंडल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में स्थित- साणंद, विरमगाम, माण्डल, धौलका, बावला, धंधुका एवं धोलेरा तालुका में डाक सेवाओं एवं प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाओं के बेहतर प्रबंधन और निगरानी में सुविधा होगी। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण



कुमार यादव ने बताया कि राजकोट रीजन में शामिल रहे रहे भावनगर एवं सुरेंद्रनगर डाक मंडलों को भी अब उत्तर गुजरात परिक्षेत्र में शामिल किए जाने के परिणामस्वरूप, इसमें डाक मंडलों की कुल संख्या बढ़कर 9 हो जाएगी। इस प्रकार, उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, गुजरात सर्किल का सबसे बड़ा परिक्षेत्र बन जाएगा। इनमें अहमदाबाद सिटी, अहमदाबाद हेरिटेज, अहमदाबाद उत्कर्ष, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, सुरेंद्रनगर एवं भावनगर डाक मंडल शामिल हैं। वहीं, नव सृजित पोस्टमास्टर जनरल (लॉजिस्टिक्स) कार्यालय का भी स्पीड पोस्ट भवन, शाही फोकस मेल्स, पार्सल एवं इंटरनेशनल मेल्स पर होगा, तदनुसार उनके अधीन गुजरात में स्थित सभी रेलवे मेल सर्विस ऑफिस, फॉरेन पोस्ट ऑफिस और ट्रांसपोर्ट सेवाओं के साथ मेल मोटर सर्विस संचालित होंगे। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि यह पहल गुजरात में डाक सेवाओं के विस्तार, बेहतर प्रबंधन और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप एक आधुनिक, उत्तरदायी एवं सुदृढ़ डाक नेटवर्क के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार के 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के दृष्टिकोण के अनुरूप इससे प्रशासनिक समन्वय, निगरानी तथा डाक सेवाओं के प्रभावी संचालन को और बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। डाक विभाग वर्तमान में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसका उद्देश्य इसे ग्राहक-केंद्रित, प्रौद्योगिकी-संचालित, परिचालन की दृष्टि से अधिक दक्ष एवं वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर संगठन के रूप में विकसित करना है। इस अवसर पर प्रवर डाक अधीक्षक श्री शिशिर कुमार, एजीएम आईपीपीबी संदीप कुमार, चीफ मैनेजर अभिजीत जीभकाटे, सीनियर पोस्टमास्टर श्री वारिस वहोरा, सहायक निदेशक श्री अल्पेश शाह, रितुल गाँधी, दर्शन तपस्वी, सहायक अधीक्षक, आर टी परमार, जगदीश जीड, के ए रोय, आर ए शेख, पराग वासनिक, एस एन घोरी, बिरंग शाह, भाविन प्रजापति, डाक निरीक्षक श्री दक्षेश चौहान, विपुल चडोतरा, योगेन्द्र राठोड सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

अदम्य साहस और बुलंद हौसले की मिसालः नोएडा सेक्टर 105 के समीर नेहरा ने -18°C तापमान और 15,000 फीट की ऊँचाई पर फहराया तिरंगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नोएडा कहा जाता है कि जहाँ साधारण इंसान के कदम ठिठक जाते हैं, वहीं से एक वीर योद्धा के संकल्प की वास्तविक यात्रा शुरू होती है। सेक्टर 105, नोएडा के निवासी और माँ भारती के सच्चे सपूत समीर नेहरा ने यह साबित कर दिखाया है। उन्होंने हाल ही में आयोजित अत्यंत दुर्लभ, कठिन और भीषण 'आदि कैलाश परिक्रमा रन' में अपनी अद्वितीय सहनशक्ति और अडिग जज्बे से एक नया इतिहास रच दिया है। समुद्र तल से 15,000 फीट की अत्यधिक ऊँचाई और -18 डिग्री सेल्सियस वेक कड़ाके वेक ठंड व कम ऑक्सीजन वाले चुनौतीपूर्ण माहौल में दुनिया भर से आए 150 से अधिक दिग्गज और अनुभवी अंतरराष्ट्रीय धावकों ने हिस्सा लिया था। इस जानलेवा 70 किलोमीटर की महा-मैराथन को समीर नेहरा ने मात्र 12 घंटे 17 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी आयु वर्ग श्रेणी में छठा स्थान प्राप्त किया है। यह केवल एक खेल की जीत नहीं, बल्कि अदम्य मानव इच्छाशक्ति और कठोर अनुशासन की महा-विजय है। इस स्वर्णिम उपलब्धि पर सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए वेक अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने उनके निवास पर पहुँचकर पुष्पगुच्छ भेंट किया और मिठाई खिलाकर उनका आत्मीय स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहाः-'समीर जी की यह ऐतिहासिक सफलता हमारे पूरे क्षेत्र, गौतम बुद्ध नगर और देश के हर उस युवा के लिए एक जीवंत प्रेरणा है, जो जीवन में बड़े सपने देखने का साहस करता है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि मन में अटूट विश्वास और पक्की लगन हो, तो दुनिया का कोई भी कठिन पर्वत आपके इरादों को नहीं डिगा सकता।' यह उपलब्धि प्रत्येक देशवासी के हृदय में गर्व का संचार करती है। आइए, हम सब मिलकर हमारे गौरव श्री समीर नेहरा जी को इस अविश्वसनीय सफलता के लिए हृदय से बधाई दें और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करें।

सरदार पटेल की जयंती पर रेलवे में गूंजी राष्ट्रीय एकता की झलक!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह और संकल्प के साथ मनाया गया। इस मौवेक पर रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। वहीं, सतर्कता जागरूकता सप्ताह वेक तहत 'वाकाथन' (Walk for Integrity) और 'एकता के लिए दौड़' का आयोजन कर सत्यनिष्ठा और एकजुटता का संदेश दिया गया। बंदरियाबाग स्थित 'संस्कृति' अधिकारी क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में रेलकर्मियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प दिलाया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनवेक योगदान का संदेश देशवासियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। शपथ के दौरान रेलकर्मियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने और पूरी निष्ठा के साथ राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इसके बाद सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत 'वाकाथन' और 'एकता वेक लिए दौड़' आयोजित की गई। कार्यक्रम के माध्यम से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर मंडल



के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। गोरखपुर जंक्शन, लखनऊ जंक्शन, ऐशबाग, गोंडा, बस्ती और मैलानी सहित विभिन्न रेलवे चिकित्सालयों, कार्यालयों और अनुरक्षण डिपो में कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रुति गुप्ता, संगठन की सदस्याएं, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर) भुवनेश सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू, सभी शाखाधिकारी और बड़ी संख्या में रेलकर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम के संबंध में जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी दी।

श्रीमती ज्योति शुक्ला ने वीमेंस आईएचएफ नेशंस ट्रॉफी-एशिया ज़ोन2 में स्वर्ण पदक जीता

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की प्रतिभाशाली अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री ज्योति शुक्ला ने ढाका (बांग्लादेश) में आयोजित दिनांक 18 से 22 अक्टूबर 2026 तक 'वीमेंस आईएचएफ नेशंस ट्रॉफी- एशिया ज़ोन-2 (2026 Women's IHF Nations Trophy — Asia: Zone II) में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर देश, भारतीय रेल एवं पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल का गौरव बढ़ाया है। श्रीमती ज्योति शुक्ला पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल वेक लखनऊ जं0 स्टेशन पर उप मुख्य टिकट निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। हैंडबाल खिलाड़ी श्रीमती ज्योति शुक्ला की इस उपलब्धि पर मण्डल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल ने बधाई दी और कहा की मंडल प्रशासन खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा इसी सहयोग का परिणाम है कि लखनऊ मंडल के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार पदक जीतकर भारतीय रेल का गौरव बढ़ा रहे हैं।इस उपलब्धि के लिए मण्डल क्रीड़ाधिकारी श्री धनन्जय मिश्रा, मण्डल क्रीड़ा सचिव श्री उदित मिश्रा तथा अन्य पदाधिकारियों ने भी बधाई दी। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

हैलोवीन फेस्टिवल को पहली बार आगरा में हैलोवीन मॉडलिंग शो के अंदाज आगाज हुआ

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) प्रयागराज। इससे इस शो की जूरी आगरा की बहुचर्चित मॉडल हेमा बैजल रही इस शो में भाग लिया!! यह शो एंटरटेनमेंट, फन , और हॉरर



पहले अभी तक हैलोवीन मॉडलिंग शो नहीं हुआ है !! पहली बार उत्तर प्रदेश आगरा में डायरेक्टर अजय प्रकाश ने एक नए अंदाज में हैलोवीन को एक मॉडलिंग रैंप वॉक वेक द्वारा आगरा में एक इतिहास रच दिया!! उत्तर प्रदेश आगरा में पहली बार हैलोवीन मॉडलिंग रैंप वॉक का आयोजन लूसी फ़िल्म्स द्वारा आगरा के डी जेल हाउस में किया गया!! !! और आगरा और तमाम



शहरों से बच्चों और मॉडल्स ने थीम पर आधारित आगरा में ये शो चर्चा का विषय बन गया है!! अजय प्रकाश ने बताया कि ये शो हर साल इसी तरह से जारी रहेगा और हर साल नए नए थीम के साथ मॉडलिंग शो मंच के माध्यम से बच्चों को एक मंच देने का काम करते रहेंगे!!

मॉडल की कोरियोग्राफी आमिर दीवाना द्वारा , और मैनेजमेंट आशिल खान द्वारा , मेकअप अक्षित और आनंद मेकओवर द्वारा किया गया!! ब्रज रिकॉर्ड से शिव प्रताप सिंह, निकी सिंह, अरुण सिमरा , विशु सिंघानिया, प्रशांत बाबू, सुंदर भारती , एजे, इरफान खान, तनु गौतम , शहजान आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल जयंती पर कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र योजना का किया गया शुभारंभ

जनपद मुख्यालय से 15 से 20 किलोमीटर की परिधि में 10 से 25 एकड़ भूमि पर स्थापित होगा कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) रायबरेली। शनिवार को जनपद मुख्यालय से 15 से 20 किलोमीटर की परिधि में 10 से 25 एकड़ भूमि पर सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र स्थापित किए जाने की योजना का शुभारंभ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज लोक भवन स्थित सभागार में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। उक्त उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण जनपद वेक समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) एवं कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को दिखाया गया। इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरा बाजार, रायबरेली में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत उनके जीवन एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र परमहंस मौर्य, वरिष्ठ कार्यदेशक राजकुमार मौर्य सहित समस्त कार्यदेशक एवं अनुदेशक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कौशल विकास मिशन के जिला प्रबंधक राजीव कुमार सिंह एवं वंदना सिंह भी मौजूद रहीं।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान को लेकर सीएमओ की अध्यक्षता में हुई बैठक, दो माह तक चलेगा विशेष अभियान

(आधुनिक समाचार नरटवर्क) रायबरेली। शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी,



रायबरेली में तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के सफल संचालन को लेकर संबंधित स्टेकहोल्डर विभागों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। अभियान 28 अक्टूबर 2026 से आगामी दो माह तक संचालित किया जाएगा। बैठक में तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी विभागों की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान शिक्षा विभाग द्वारा 1100 शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान (टी.ओ.एफ.ई.आई) ऑपरेशनल गाइडलाइन के तहत तम्बाकू मुक्त बनाया जाएगा। वहीं, पंचायती राज विभाग के माध्यम से 100 गांवों को तम्बाकू मुक्त बनाने तथा पुलिस विभाग द्वारा 80 प्रवर्तन अभियान एवं गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान के प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैनर, हैंडबिल तथा कोटपा अधिनियम-2003 की धारा 4 एवं धारा 6 (बी) से संबंधित साइनेज उपलब्ध कराने की जानकारी दी। साथ ही सभी विभागों को प्रतिदिन की गतिविधियों की रिपोर्ट तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करने तथा साप्ताहिक हार्डकॉपी रिपोर्ट कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देशों से अवगत कराया। जिला सलाहकार पूनम ने अधिकारियों को कोटपा अधिनियम-2003 के अंतर्गत जुर्माना बुकलेट एवं मासिक जुर्माना रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी दी। अभियान की गतिविधियों की नियमित निगरानी एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए व्हाट्सऐप रिपोर्टिंग ग्रुप भी बनाया गया। इसके माध्यम से सभी विभाग प्रतिदिन की गई गतिविधियों की रिपोर्ट साझा करेंगे। बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग प्रदान करने की सहमति व्यक्त की।

प्रयागराज-मनीष शांडिल्य बने डीसीपी यमुनानगर,कमिश्नरेट में 3 डीसीपी के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन, माघ मेला डीसीपी बने विवेक

प्रयागराज। कमिश्नरेट प्रयागराज में नवागत पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की तैनाती के बाद पुलिस अधिकारियों के कार्यभार में फेरबदल किया गया है। पुलिस आयुक्त की ओर से जारी आदेश वेक अनुसार यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। नए आदेश के तहत तीन पुलिस उपायुक्तों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया गया है। मनीष कुमार शांडिल्य को पुलिस उपायुक्त यमुनानगर एवं लाइन्स नियुक्त किया गया है। वे यमुनानगर जोन की कानून-व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस लाइन्स से जुड़े प्रशासनिक कार्यों



की जिम्मेदारी संभालेंगे।कुंवर ज्ञानंजय सिंह संभालेंगे यातायात और यूपी-112 नवागत पुलिस उपायुक्त कुँवर ज्ञानंजय सिंह को पुलिस उपायुक्त यातायात एवं यूपी-112 का दायित्व सौंपा गया है। अब शहर की यातायात व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और यूपी-112 की आपातकालीन पुलिस सेवा की निगरानी उनके अधीन होगी। विवेक चन्द्र यादव को मिला माघ मेला और प्रोटोकॉल का दायित्व वहीं विवेक चन्द्र यादव को पुलिस उपायुक्त माघ मेला एवं प्रोटोकॉल बनाया गया है। आगामी माघ मेला की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक समन्वय और वीआईपी प्रोटोकॉल से जुड़े कार्य अब उनके निर्देशन में संपन्न होंगे।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल को अधिवक्ताओं ने जयंती पर किया याद

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र सभागार में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई 151वीं जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के



तत्वावधान में शनिवार को डीबीए सभागार में देश के प्रथम गृह मंत्री, राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके महान व्यक्तित्व एवं राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व महामंत्री एवं पूर्व डीजीसी रामजियावान सिंह यादव ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी कुशल राजनीतिक सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव को मजबूत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के ऐसे प्रतीक थे, जिनका संपूर्ण जीवन देशहित और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आज भी देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। यही लौह पुरुष के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिवक्ताओं ने सरदार पटेल के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार मौर्य, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेश कुमार यादव, पंकज यादव, राजकुमार सिंह, सुरेश सिंह, रियाज खान, संतोष यादव, कामता प्रसाद यादव, संगीता, सुमन एडवोकेट, अनूप शुक्ला, आकृति निर्भया, बीपी सिंह, चतुर्भुज शर्मा, सुदेश कुमार, हरिद्वार, रामगुल्ली यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

चतरा में किसान पन्चायत में अन्नदाताओ का सुना दुख दर्द-संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को चतरा ब्लाक में आयोजित किसान पन्चायत में किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र अपने प्रतिनिधिमण्डल के साथ पहुंचे तथा उपस्थित सभी किसान परिवारि जनो के दुःख दर्द को सुना पन्चायत को सम्बोधित करते हुए मिश्रा ने केन्द्र व प्रदेश सरकार को खुब फटकारा और कहा की आदिवासी भाई बहनो व अपने जनपद के अन्नदाताओ का अनादर किसी किमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा साथ ही उन्होंने कहा कि जब कोई किसान अपनी जमीन नहीं देना चाहता तो जनपद प्रशासन क्यों जबरदस्ती जमीन ले?ना चाहता है सरकार पुनः इस औद्योगिक एक्सप्रेस वे के एलाइमेन्ट पुनर्विचार करे तथा पिएसपी प्रोजेक्ट को वापस ले अन्यथा मोर्चा करेगा बड़ा आन्दोलन साथ ही श्री मिश्रा ने कहा कि अर्नब तूफान की वजह से जो अन्नदाताओ की फसलों का नुकसान हुआ है उसका त्वरित निरिक्षण कर सबको मुवावजा दे सरकार आज के कार्यक्रम में मोतिलाल यादव रामकरन नागेन्द्र लाकडा नन्दलाल भारती सोनु कुजुर आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सतेन्द्र प्रजापति राधा फुलमतिया अरविन्द विजय दिनेस चेरो सन्तोष चेरो विन्दू खरवार व सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में 02 नवम्बर को होगी बैठक,31 दिसंबर 2025 तक के बकायों पर ब्याज एवं अर्थदण्ड माफी की योजना लागू

मुख्यमंत्री ब्याज माफी योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होगी बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि शासनादेश के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा ब्याज माफी योजना-2026 लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1948, केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम-1956, उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979 एवं तदधीन निर्मित नियमावली, मनोरंजन कर, उत्तर प्रदेश व्यापार कर अधिनियम-1995, उत्तर प्रदेश केबल टेलीविजन नेटवर्क नियमावली-1997, उत्तर प्रदेश प्रवेश कर अधिनियम-2007 एवं उत्तर प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम-2008 के अंतर्गत दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 तक सृजित बकायों पर देय ब्याज एवं अर्थदण्ड माफ किए जाने का प्रावधान किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी ब्याज माफी



योजना-2026 के संबंध में जनपद में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हेतु जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 01:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में बैठक आहूत की गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक आज,व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में होगी बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त (प्रशासन), राज्य कर, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि माह सितम्बर, 2026 की जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक आज यानि दिनांक 02 नवम्बर, 2026 (सोमवार) को अपराह्न 12:00 बजे जिलाधिकारी, सोनभद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। जनपद के समस्त संबंधित व्यापारियों एवं व्यापार बन्धु के सदस्यों से अनुरोध किया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

4 हजार शिक्षकों के प्रमाणपत्र जांचे जाएंगे,हाईकोर्ट के निर्देश पर शुरू हुई प्रक्रिया

सोनभद्र। सोनभद्र के परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में काम कर रहे 4 हजार से अधिक शिक्षकों के



शैक्षिक प्रमाणपत्रों और नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच होगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) मुकुल आनंद पांडेय ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विकासखंड के शिक्षकों के दस्तावेजों की एक-एक प्रति जमा कराएं। बीईओ कार्यालय से ये दस्तावेज बीएसए कार्यालय भेजे जाएंगे, जहां उनकी वैधता जांची जाएगी। एक ही शैक्षिक प्रमाणपत्र के आधार पर कई शिक्षकों की नियुक्ति का मामला सामने आने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए थे। बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी के आदेश पर सोनभद्र में भी जांच शुरू हुई है। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जिले में 1,879 प्राथमिक और 778 उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। इनमें 4 हजार से अधिक शिक्षक काम कर रहे हैं। सभी शिक्षकों को हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, बीएड, बीटीसी, डीएलएड, बीएलएड, टीईटी और सीटीईटी के प्रमाणपत्रों की छायाप्रति जमा करनी होगी। नियुक्ति से जुड़े सभी दस्तावेज भी देने होंगे। दस्तावेजों के साथ हर शिक्षक को नोटरी से सत्यापित शपथपत्र देना होगा। इसमें विभाग में काम कर रहे या सेवानिवृत्त निकट संबंधियों का पूरा ब्योरा देना होगा। इसमें पति-पत्नी, माता-पिता, पुत्र-पुत्रवधू, बेटी-दामाद, सास-ससुर, साला-बहनोई, साली-ननद और चचेरे, फुफेरे व ममेरे भाई-बहनों समेत अन्य रिश्तेदारों की जानकारी शामिल होगी। अगर किसी शिक्षक का कोई रिश्तेदार बेसिक शिक्षा विभाग में काम नहीं करता या सेवानिवृत्त नहीं है, तो उसे शपथपत्र में यह साफ लिखना होगा। विभाग शिक्षकों के शैक्षिक और नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों का मिलान कर उनकी प्रमाणिकता जांचेगा।

मुकुंद स्वरूप मिश्रा भाजपा व्यापार मंडल के प्रदेश संयोजक बने,सोनभद्र के व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने दी बधाई

सोनभद्र। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा को भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश का प्रदेश संयोजक नियुक्त किए जाने पर सोनभद्र के व्यापारी समाज में खुशी की लहर है। व्यापार जगत में लंबे समय से सक्रिय और व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करने वाले मुकुंद स्वरूप मिश्रा को मिली इस जिम्मेदारी को व्यापारी हितों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति की जानकारी मिलते ही जिले के व्यापारियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर सोनभद्र व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजेश गुप्ता और



जिला महामंत्री राजेश बंसल ने संयुक्त रूप से कहा कि मुकुंद स्वरूप मिश्रा का पूरा जीवन व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए समर्पित रहा है। संगठन में उनके लंबे अनुभव, संघर्षशील नेतृत्व और व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की क्षमता को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि मुकुंद स्वरूप मिश्रा के प्रदेश संयोजक बनने से प्रदेश के व्यापारियों की समस्याओं को राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने का अवसर मिलेगा। उनके नेतृत्व में व्यापारियों और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है। इससे छोटे-बड़े व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों को उम्मीद है कि नई जिम्मेदारी के माध्यम से संगठन की आवाज और अधिक मजबूत होगी। साथ ही व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष प्रकाश केसरी, युवा अध्यक्ष रमेश जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष अजीत जायसवाल, नगर अध्यक्ष आनंद जायसवाल, किराना अध्यक्ष श्यामलाल केशरी, आईटी सेल अध्यक्ष अजय केशरी और मंडी अध्यक्ष श्याम बाबू सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी खुशी जताते हुए मुकुंद स्वरूप मिश्रा को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के बेस्ट सोर्स,डॉक्टर से समझें शरीर में प्रोटीन के 10 जरूरी काम, डेफिशिएंसी के 8 संकेत

नयी दिल्ली। हमारे शरीर में अरबों कोशिकाएं हैं। हर कोशिका को ठीक से काम करने के लिए प्रोटीन चाहिए। प्रोटीन शरीर में अनगिनत काम करता है। मसल्स बनाता है, डैमेज्ड टिश्यूज को रिपेयर करता है, हार्मोन-एंजाइम बनाता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाता है। यही वजह है कि प्रोटीन शरीर का सबसे अहम कंपोनेंट है। मांसाहारी लोगों के लिए तो लीन प्रोटीन के ढेरों ऑप्शन हैं। लेकिन अकसर ये सवाल उठता है कि शाकाहारियों को अच्छा और पर्याप्त प्रोटीन कैसे मिले। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में शाकाहारियों के लिए प्रोटीन ऑप्शंस की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- एक स्वस्थ शरीर को रोज कितने प्रोटीन की जरूरत होती है? प्रोटीन की डेली जरूरत को पूरा करने के लिए वेजिटेरियन थाली में क्या शामिल करें? विषय को अच्छे से समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- शरीर के लिए प्रोटीन क्यों जरूरी है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- प्रोटीन शरीर के सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक है। यह शरीर के बिल्डिंग ब्लॉक की तरह काम करता है। शरीर की हर कोशिका में प्रोटीन मौजूद होता है। ऑर्गन्स से लेकर हार्मोन, एंजाइम और एंटीबॉडी बनाने तक, प्रोटीन शरीर की लगभग हर जरूरी प्रक्रिया में शामिल है। यही वजह है कि वैज्ञानिक प्रोटीन को शरीर का 'वर्कहॉर्स' यानी सबसे मेहनती तत्व कहते हैं। प्रोटीन के 10 जरूरी कामः- 01 मसल्स बनाना व रिपेयर करना। 02 हड्डियों को मजबूत रखना। 03 स्किन, बाल और नाखून बनाना। 04 नई सेल्स और टिश्यू बनाना। 05 हार्मोन बनाने में मदद करना। 06 पाचन एंजाइम बनाना। 07 इम्यूनिटी में मदद करना। 08 ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करना। 09 शरीर में फ्लूइड बैलेंस रखना। 10 जरूरत पर एनर्जी देना। सवाल- एक स्वस्थ व्यक्ति को रोज कितने प्रोटीन की जरूरत होती है? जवाब- इसकी जरूरत उम्र और शरीर के वजन पर निर्भर करती है। आईसीएमआर और एनआईए (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन) के मुताबिक, एक स्वस्थ वयस्क को डेली पर 0.83 ग्राम पर किग्रा बॉडीवेट प्रोटीन की जरूरत होती है। यानी अगर किसी का बॉडीवेट 60किग्रा है तो उसे रोज करीब 50 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। सवाल- कैसे पहचानें कि शरीर में प्रोटीन की कमी है? जवाब- प्रोटीन की कमी का असर मसल्स, स्किन, बाल, इम्यूनिटी और एनर्जी लेवल पर पड़ता है। प्रोटीन की कमी के संकेतः- 01 हमेशा थकान, कमजोरी। 02 मसल्स का घटना। 03 बार-बार बीमार पड़ना। 04 घाव देर से भरना। 05 बाल झड़ना, पतले होना। 06 नाखून कमजोर होकर टूटना। 07 बार-बार भूख लगना। 08 शरीर में इंफ्लेमेशन (गंभीर मामलों में)। सवाल- क्या वेजिटेरियन लोगों में हमेशा प्रोटीन की कमी होती है? जवाब- नहीं, अगर डाइट बैलेंस्ड है तो शाकाहारी लोग भी अपनी प्रोटीन की डेली जरूरत पूरी कर सकते हैं। इसे ऐसे समझिए- प्रोटीन छोटे-छोटे अमीनो एसिड से मिलकर बना होता है।शरीर को कुल 20 तरह के अमीनो एसिड की जरूरत होती हैं। इनमें 9 एसेंशियल अमीनो एसिड ऐसे हैं, जिन्हें शरीर खुद नहीं बना सकता। इसलिए इन्हें भोजन से लेना जरूरी होता है। अंडा, चिकन और मछली जैसे नॉन-वेज फूड्स में सभी 9 एसेंशियल अमीनो एसिड पर्याप्त मात्रा में होते हैं। वहीं कई वेजिटेरियन फूड आइटम्स में इनमें से कुछ अमीनो एसिड अपेक्षाकृत कम होते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि शाकाहारियों में प्रोटीन की कमी होना तय है। दाल, अनाज, सोया और डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे वेरायटी प्रोटीन सोर्स से शरीर की प्रोटीन की जरूरत पूरी की जा सकती है। पर्याप्त प्रोटीन लेने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। इससे बार-बार भूख लगने की समस्या और स्नैकिंग की आदत कम होतीः-है। यही वजह है कि प्रोटीन बैलेंस्ड वेट बनाए रखने में भी मदद करता है। सवाल- शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के 10 बेस्ट सोर्स कौन-से हैं? जवाब- दाल, सोया, दूध, मटर और नट्स जैसी चीजें डाइट में शामिल करके प्रोटीन की जरूरत आसानी से पूरी कर सकते हैं। सोया चंक्स, पनीर, ग्रीक योगर्ट/हंग कार्ड, दूध 1 गिलास, दही, चना/छोले, राजमा, दाल, मूंगफली, मटर। सवाल- क्या इन सभी सोर्सेज से मिलने वाले प्रोटीन एक जैसे होते हैं? जवाब- नहीं, प्रोटीन की क्वालिटी इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें जरूरी अमीनो एसिड कितनी मात्रा में हैं। शरीर उसे कितनी अच्छी तरह पचा व इस्तेमाल कर पा रहा है। दूध, दही, पनीर और सोया का प्रोटीन अपेक्षाकृत हाई क्वालिटी का माना जाता है। इनमें जरूरी अमीनो एसिड का संतुलन अच्छा होता है और इनका अवशोषण भी बेहतर होता है। दाल, चना, राजमा और अन्य बीन्स भी प्रोटीन के अच्छे सोर्स हैं। लेकिन इनमें कुछ अमीनो एसिड अपेक्षाकृत सीमित हो सकते हैं। इनमें मौजूद फाइबर व कुछ नेचुरल कंपाउंड पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। मूंगफली, बादाम और अन्य नट्स प्रोटीन के साथ हेल्दी फैट, विटामिन और मिनरल्स भी देते हैं। इसलिए इन्हें केवल प्रोटीन सोर्स के रूप में नहीं देखा जाता। सवाल- कंप्लीट प्रोटीन क्या होता है? जवाब- कुछ खाद्य पदार्थ शरीर को प्रोटीन बनाने के लिए एक साथ सभी जरूरी अमीनो एसिड देते हैं। इन्हें 'कंप्लीट प्रोटीन' कहा जाता है। दूध और दही इसके प्रमुख उदाहरण हैं।





सवाल- किस दाल में सबसे ज्यादा प्रोटीन होता है? जवाब- सभी दालों में प्रोटीन होता है। लेकिन उनकी मात्रा अलग-अलग होती है। किस दाल में कितना प्रोटीनः- अरहर दाल 22ग्राम, मसूर दाल 25ग्राम, मूंग दाल 24ग्राम, उड़द दाल 25, चना दाल 21..सवाल- 60 ग्राम डेली प्रोटीन के लिए एक वेजिटेरियन थाली में कौन-सी चीजें शामिल करें? जवाब- एक सामान्य शाकाहारी व्यक्ति बिना प्रोटीन पाउडर, अंडा या चिकन के भी दिन भर की डाइट से करीब 60 ग्राम प्रोटीन प्राप्त कर सकता है। इसके लिए हर मील में एक प्रोटीन सोर्स शामिल करना जरूरी है। वेजिटेरियन थाली नाश्ताः-1 गिलास दूध=8 ग्राम, 2 बेसन चीला= 6-7 ग्राम, कुलः लगभग 15 ग्राम।दोपहर का खाना2 रोटी ृ 6 ग्राम, 1 कटोरी दालृ 6 ग्राम, 1 कटोरी दही = 7 ग्राम, कुलः नींद भी जरूरी है। शरीर के लिए ये न्यूट्रिशन भी जरूरीः- 01 कार्बोहाइड्रेट, 02 हेल्दी फैट, 03 फाइबर, 04 विटामिन और मिनरल्स, 05 पर्याप्त पानी, 06 नियमित व्यायाम, 07 अच्छी नींद, 08 स्ट्रेस पर कंट्रोल सवाल- क्या बहुत ज्यादा प्रोटीन लेने के साइड इफेक्ट भी हो सकते हैं? जवाब- हां, प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से कुछ लोगों को हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए उतना ही जरूरी है, जितना कार के लिए इंजन।यह सिर्फ एक मिथक है कि शाकाहारी लोगों में प्रोटीन की डेली जरूरत पूरी नहीं की जा सकती है। हालांकि, सिर्फ प्रोटीन पर फोकस करने की बजाय संतुलित और विविध आहार लेना ज्यादा जरूरी है, ताकि शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सकें।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियन, पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से पछाड़ा

महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता गोल्ड

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने अहमदाबाद में शनिवार (31 अक्टूबर) को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए। पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हरायाः-पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। भारत ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट कियाः-भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई। पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका।







आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे।भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और श्रीलंका की टीम ने पूरे मैच में 41 रेड में सिर्फ 7 सफल रेड कीं। उसके लिए मदुवंता ने सबसे ज्यादा 6 टैकल पॉइंट्स बनाए। श्रीलंका के रेडर्स भारतीय डिफेंस के सामने संघर्ष करते नजर आए। आदित्य बोले- अहमदाबाद के दर्शकों से मिला शानदार सपोर्टः-मैच के बाद भारत के लिए सबसे ज्यादा अंक बनाने वाले आदित्य शिंदे ने कहा, 'लगातार ज्यादा टूर्नामेंट होने से अहमदाबाद के लोगों को भी फायदा हो रहा है। हमें यहां दर्शकों का बहुत अच्छा सपोर्ट मिला। उम्मीद है कि आने वाली प्रतियोगिताओं में भी लोग इसी तरह हमारा समर्थन करेंगे। जीत का जश्न बहुत बड़े स्तर पर मनाया जाएगा और इसकी शुरुआत हो चुकी है।' महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से हराकर जीता गोल्डः-महिला फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन भारत ने कप्तान निधि शर्मा की अगुआई में युगांडा को 35-15 से हराया। भारत की ओर से साक्षी ने 10 रेड में 9 अंक हासिल किए। इसमें 2 बोनस अंक शामिल थे। उन्होंने पहले हाफ की सभी 6 रेड में अंक जुटाए। कप्तान निधि शर्मा ने 5 अंक बनाए, जिनमें 3 बोनस पॉइंट्स शामिल थे। अनु ने 6 रेड पॉइंट्स जोड़े। डिफेंस में रितु और सुमन ने 4-4 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। युगांडा की ओर से नकायंगो शिराट ने सबसे ज्यादा 11 अंक बनाए। उन्होंने टीम की 35 रेड में से 24 रेड कीं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पहले हाफ में भारत ने बनाई 22-7 की बढ़तः-महिला फाइनल के पहले हाफ में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। शुरुआत में भारत 7-3 से आगे था। इसके बाद टीम ने 15-4 के स्कोर से बढ़त को 22-7 कर दिया। पहले हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने एक भी रेड नहीं गंवाई। युगांडा के डिफेंडर्स अपने सभी 9 टैकल अटेम्प्ट्स में नाकाम रहे। दूसरे हाफ में युगांडा ने रेड पॉइंट्स में 7-6 की बढ़त बनाई, लेकिन भारत ने एक और ऑल-आउट कर मुकाबला 35-15 से जीत लिया। साक्षी बोलीं- इंटरनेशनल टूर्नामेंट से कबड्डी को फायदा होगाः-फाइनल की बेस्ट प्लेयर रहीं साक्षी ने कहा, 'टीम को गोल्ड मेडल जिताने में 9 रेड पॉइंट्स का योगदान देकर बहुत खुशी हो रही है। गोल्ड जीतने के बाद टीम का माहौल बहुत अच्छा है।

इस तरह के इंटरनेशनल टूर्नामेंट कबड्डी के विकास के लिए जरूरी हैं। इससे युवा खिलाड़ियों को काफी अनुभव मिलेगा। मैं इतना शानदार टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए एकेएफआई का धन्यवाद करती हूं।' साक्षी ने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैचों में 52 अंक बनाए। महिला टीम ने ग्रुप स्टेज में मलेशिया, सिंगापुर, युगांडा और नाइजीरिया को हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में श्रीलंका को 39-14 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इंडिया ए ने पहली पारी में 346 रन बनाए,न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जुरेल का शतक, आकाशदीप ने फिफ्टी लगाई

स्पोर्ट डेस्क। इंडिया ए ने क्राइस्टचर्च में चल रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहली पारी में 346 रन बनाए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 171 गेंद पर 105 रन की पारी खेली। जुरेल ने 4 घंटे 7 मिनट बल्लेबाजी की। ध्रुव की पारी में 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इंडिया ए ने रविवार सुबह 291/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। उसने 55 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए। खबर लिखे जाने तक न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 99 रन बना लिए हैं। जुरेल और आकाश दीप ने इंडिया को 300 पार पहुंचाः-एक समय इंडिया ए ने 137 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में ध्रुव जुरेल ने 2 अहम साझेदारियां करके टीम को 300 पार पहुंचाया। जुरेल ने फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक लगाया। जबकि, आकाश दीप ने 9वें नंबर पर 68 रन बनाकर अपना सबसे बड़ा फर्स्ट क्लास स्कोर बनाया। जुरेल ने 7वें विकेट के लिए मानव सुथार के साथ 97 गेंदों पर 62 रन जोड़े। फिर आकाश दीप के साथ 8वें विकेट के लिए बड़ी साझेदारी की। दोनों ने 142 गेंदों पर 75 रन जोड़े। पहले दिन पडिक्कल ने फिफ्टी लगाईः-मैच के पहले दिन ध्रुव जुरेल 99 रन पर नाबाद लौटे थे। जबकि, देवदत्त पडिक्कल ने 80 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। यशस्वी जायसवाल इस पारी में भी अपना खाता नहीं खोल सके। वे पहले ओवर में फ्रैंजर शीट की चौथी गेंद पर आउट हो गए।



वियना ओपन के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराजःमेदवेदेव को 6-4, 7-6 से हराया

स्पोर्ट डेस्क। कार्लोस अल्काराज ने वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली है। अल्काराज के करियर का यह 37वां और इस साल का 5वां टूर-लेवल फाइनल है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स दे मिनाउर ने बड़ा उलटफेर करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। रविवार को होने वाले फाइनल में अल्काराज और दे मिनाउर आमने-सामने होंगे। मेदवेदेव को हराकर मार्च की हार का बदला लियाः- शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में अल्काराज ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की और मुकाबला टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेकर में अल्काराज ने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर 7-2 से जीत दर्ज की। उन्होंने 96 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज ने मार्च में इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में मेदवेदेव के हाथों मिली हार का बदला भी ले लिया। मेदवेदेव का लगातार 7 मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया। कार्लोस अल्काराज का एटीपी 500 टूर्नामेंट्स में शानदार प्रदर्शन जारी है। यह इस कैटेगरी के इवेंट्स में उनकी लगातार 25वीं जीत है। अल्काराज और मेदवेदेव दोनों अगले महीने होने वाले सीजन के आखिरी टूर्नामेंट एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। दे मिनाउर ने ज्वेरेव को हराकर किया उलटफेरः- दूसरे सेमीफाइनल में एलेक्स दे मिनाउर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराया। ज्वेरेव के सोमवार को वर्ल्ड नंबर-1 बनने की पुष्टि हो चुकी थी। दे मिनाउर ने पहला सेट 6-4 से जीता, लेकिन दूसरे सेट में ज्वेरेव ने 6-1 से वापसी की। निर्णायक सेट टाई-ब्रेकर तक पहुंचा, जहां दे मिनाउर ने 7-4 से जीत दर्ज की। उन्होंने मुकाबला 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से अपने नाम किया। इस जीत के साथ दे मिनाउर ने इस सीजन इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है। वह अब तक 10 मैच जीत चुके हैं और एक भी मुकाबला नहीं हारे हैं। यह उनके करियर का 23वां टूर-लेवल फाइनल होगा। इस जीत से अगले महीने होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। रविवार को खेला जाएगा खिताबी मुकाबलाः-वियना ओपन का फाइनल रविवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे खेला जाएगा।



जो नींद से नाता बना रहे तो जीवन की गाड़ी चलती रहे

कल मैंने बहुत इंतजार किया। पर कमबख्त आई नहीं! छत की तरफ देखा, खिड़की की तरफ देखा, कि कहीं चुपके से कमरे में घुसने की कोशिश तो नहीं कर रही? क्या कि पानी सर के ऊपर चढ़ गया है। इंटरनेट पर छानबीन की। बहुत सलाहकार हैं। सोने से पहले हल्दी दूध पियो, कोई बोला। सुगंध वाला कैंडल जलाओ, मोटे-मोटे पर्द



वह मुझसे नाराज थी? अगर हां तो बताए मुझसे क्या भूल हुई? वो आजकल मुझसे दूर-दूर क्यों रहती है? नहीं, यह कोई रोमांटिक फिल्मी डायलॉग नहीं, मेरा कड़वा सच है। मुझे आजकल बड़ी मुश्किल से नींद आती है! अचम्भे की बात है। क्योंकि एक समय था जब नींद मेरी सच्ची सहेली थी। कॉलेज में कोई बोरिंग क्लास चल रही हो, वो मेरे पास आकर बैठ जाती। कि चल, लोड न ले, मैं हूं ना! बड़ी चंचल थी मेरी यह सहेली। सुबह फाइनल एग्जाम है, और रात को वो मेरे कान में फुसफुसाती- 'तुझे सब तो आता है, बार-बार क्यों पढ़ रही है? किताब बंद कर, और चल मेरे साथ!' तब वहीं टेक्स्ट-बुक पर माथा टेककर मैं अपनी इस सहेली का दुपट्टा पकड़कर निद्रावन की सैर पर निकल पड़ती। जैसे-जैसे उम्र बढ़ी, जिम्मेदारियां बढ़ने लगीं। घर का काम, ऑफिस का काम, इन सब में इतनी उलझ गई कि कई बार जब मेरी सहेली आती तो मैं उसे भगा देती। कहती कि जा, मैं बहुत बिजी हूं। और तो और, मैंने कुछ नई संगत भी अपना ली। बुरी संगत! कुछ लोग सिगरेट पीते हैं, अपना स्ट्रेस कम करने के लिए। मैंने भी ऐसा ही एक फालतू दोस्त बना लिया, जो मेरी उंगलियों के इशारे पर नाचता है। लेकिन ऐसा तो मुझे लगा था। सच्चाई यह थी कि वो मुझे नचा रहा था! आप समझ गए होंगे, वो नालायक शख्स मेरा मोबाइल फोन है! जी हां, सोने के पहले मैं उसकी रील्स की दुनिया में मशगूल रहने लगी। दो-तीन घंटे कैसे गुजर जाते, पता ही नहीं लगता। जब नींद आती भी तो दबे पांव चली जाती। और कुछ समय से तो उसने हताश होकर आना ही बंद कर दिया है। तब पता चला, बनवाओ। सब किया पर नींद फिर भी नहीं आती। जितना उसके बारे में सोचो, वो उतना ही दूर भागती। आखिर इस समस्या का हल क्या है? नींद! गहरी, मीठी, मजेदार नींद। यह वो सौगात है जिसे न खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है। लेकिन लापरवाही से आप इसे खो जरूर सकते हो, और फिर उसे ढूंढकर लाना मुश्किल। बचपन में वो हम सबके पास थी। बस में बैठे हुए, ट्रेन में लेटे हुए, कहीं भी, कभी भी आ जाती थी। लेकिन आज तो बिजनेस क्लास में सफर करते हुए भी बहुतों को प्राप्त नहीं। दुनिया-जहान की फिक्र करने वालों को यही अभिशाप मिलता है। इसी भावना को व्यक्त करने वाली कुछ पंक्तियां चलते-चलते सुनें:-कल बच्चे की फीस भरनी है, पैसे कम हैं। किसी ने कोई खो दिया, आंखें नम हैं। जब दिल पर बोझ हो नींद आती नहीं सोच-सोचकर परेशानी जाती नहीं। हां, अगर एक रात गहरी नींद मिल जाए। अगली सुबह एक नया जोश हम पाएं नींद है हर मर्ज की दवा। होने दो सारी दुनिया बेवफा। अगर नींद से नाता बना रहे जीवन की रेलगाड़ी चलती रहे मैं फिर अपनी सहेली को पुकार रही हूं।

आ जा, तेरा दुपट्टा पकड़ने को तैयार हूं छोड़ दी वो झूठी दोस्ती-यारी अब तो मान जा, निंदिया प्यारी! गहरी, मीठी, मजेदार नींद। यह वो सौगात है, जिसे न खरीदा जा सकता है, न बेचा जा सकता है। लेकिन लापरवाही से आप इसे खो जरूर सकते हो। बचपन में वो हम सबके पास थी। बस हो या रेल, कहीं भी आ जाती थी। आज तो बिजनेस क्लास में भी बहुतों को प्राप्त नहीं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रश्मि बंसल)

बाजार आपकी रेपुटेशन टेस्ट करे, उससे पहले अपने बिजनेस का टेस्ट कर लें

कोई बिजनेस सबसे बड़ी जो गलतियां कर सकता है, उनमें से एक यह मान लेना है कि जब वह ग्राहकों के लिए दरवाजे खोलेगा तो सब कुछ बिल्कुल रखना चाहिए। वे नहीं चाहते थे कि पार्टिसिपेंट्स बीच खेल में बोर होने लगें। यह मैनेजमेंट का एक शानदार सबक है। कोई आइडिया कागज पर रोमांचक लोगों से कहें कि वे ऑर्डर करें और फिर देखें कि उन्हें कहां दिक्कत आ रही है। अगर आप कोई नया प्रोडक्ट पेश कर रहे हैं तो उसे दुकानों में रखने से



सही-से काम करेगा। किसी प्रोडक्ट या सर्विस के लिए चाहे कितनी ही प्लानिंग की गई हो, लेकिन लॉन्चिंग से पहले उसे रीयल-लाइफ टेस्ट से गुजारने का कोई विकल्प नहीं होता। पुणे की एक हालिया खबर ने मेरा ध्यान खींचा, जिसमें बताया गया था कि हैलोवीन के लिए मर्डर मिस्ट्री पार्टियां आयोजित की जा रही हैं। हैलोवीन हर साल 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन लोग भूत, चुड़ैल, मॉन्स्टर्स और डरावने किरदारों की ड्रेस पहनते हैं। पारंपरिक रूप से यह इस धारणा में निहित है कि आत्माएं जीवित लोगों की दुनिया में लौट सकती हैं। लेकिन अब इसे कॉस्ट्यूम पार्टियों, ट्रिक-ऑर-ट्रीट और मजेदार डरावने खेलों के साथ मनाया जाता है। इसकी शुरुआत प्राचीन सेल्टिक फेस्टिवल 'सम्हेन' से हुई थी। कुछ लोग इसे सर्दियों की शुरुआत के तौर पर मनाते हैं। पुणे के डेक्कन इलाके में 'नाइन लाइव्स कैंट' कैफे के मालिक अर्चित देवधर ने एआई की मदद से मर्डर मिस्ट्री गेम तैयार किया। लेकिन दो घंटे के इस अनुभव के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने से पहले उन्होंने लोगों के एक टेस्ट ग्रुप को बुलाया, जो पूरे खेल को आजमाए। उनके फीडबैक से अर्चित को समझने में मदद मिली कि क्या अच्छा काम कर रहा है और कहां इम्प्रूवमेंट चाहिए। उनकी चिंता सहज थी कि खेल पूरे समय लोगों को बांधे लग सकता है, लेकिन असल परीक्षा इसमें है कि ग्राहक उसे कैसे अनुभव करते हैं। कुछ टेस्ट-रन उन छिपी समस्याओं को उजागर कर सकता है, जो बिजनेस क्रिएटर्स को दिखाई नहीं देतीं, लेकिन ग्राहकों के आते ही मुसीबत खड़ी कर सकती हैं। इससे मुझे 1994 का एक अनुभव याद आया, जब मुंबई एयरपोर्ट के पास ऑर्किड होटल शुरू करने की तैयारी कर रहे विट्ठल कामत ने मुझे और कुछ अन्य लोगों को पांच दिन तक वहां ठहरने के लिए बुलाया। उनका मकसद सिर्फ मेरी मेहमाननवाजी नहीं था, बल्कि बदले में वे चाहते थे कि हम स्टे के दौरान आई समस्याओं पर ईमानदारी भरा फीडबैक दें। चूंकि मैं हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ऑपरेशंस को गहराई से समझता हूं, इसलिए वे चाहते थे कि मैं स्टाफ सर्विस और उनके द्वारा तैयार सुविधाओं का अनुभव करने के बाद अपना ओपिनियन बताऊं। वे चाहते थे कि होटल को पब्लिक के लिए खोले जाने से पहले मैं इसकी हर सुविधा यूज करूं और ईमानदारी से फीडबैक दूं। जरा सोचिए, यहां एक आंत्रप्रेन्योर होटल खोलने की तैयारी कर रहा है, फिर भी भुगतान करने वाले गेस्ट्स के आने से पहले किसी को होटल की कमियां देखने दे रहा था। यही सिद्धांत लगभग हर बिजनेस पर लागू होता है। अगर आप कोई शॉपिंग एप लॉन्च कर रहे हैं तो इससे अपरिचित पहले संभावित ग्राहकों को इस्तेमाल करने का मौका दें। दिलचस्प यह है कि टेस्टिंग सिर्फ गलतियां पहचानने के लिए नहीं होती। इसका मकसद ग्राहकों को खुश करने के मौके ढूंढना भी है। कोई मेहमान ब्रेकफास्ट सर्विस में मामूली बदलाव का सुझाव दे सकता है। कोई रेस्टोरेंट-विजिटर बेहतर सीटिंग अरेंजमेंट बता सकता है। या फिर, कोई गेम पार्टिसिपेंट ऐसा ट्विस्ट सुझा सकता है, जो पूरे अनुभव को और रोमांचक बना दे। सफल लॉन्च वही नहीं होता, जो समय पर हो जाए। बल्कि यह तब होता है, जब बिजनेस ने यह सुनिश्चित करने की पर्याप्त तैयारी कर ली हो कि ग्राहकों को वही मिले, जिसका उनसे वादा किया गया था। आंत्रप्रेन्योर अकसर कुछ नया बनाने में काफी समय और पैसा लगाते हैं। लेकिन कई बार वे अपने आइडिया से इतने इमोशनली-अटैच्ड हो जाते हैं कि उन्हें दिखाई नहीं देता कि क्या काम नहीं कर रहा है। खासकर, संभावित ग्राहकों को रिप्रेजेन्ट करने वाला कोई आउटसाइडर ऐसा नजरिया बता सकता है, जो बनाने वाला मिस कर गया हो। फंडा यह है कि याद रखें, रिहर्सल आपकी गलतियां सामने ला सकती हैं, लेकिन पब्लिक लॉन्च से वही गलतियां दुनिया के सामने उजागर हो सकती हैं। आपको भुगतान करने वाले ग्राहकों को कभी भी अपना पहला टेस्टर न बनने दें।एन. रघुरामन

इंटरनेट मौलिक अधिकार तो बना पर उसे सुरक्षित भी बनाएं

पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट और उसके इस्तेमाल को अधिकार के रूप में मान्यता दी। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला



और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला बच्चों को इंटरनेट पर होने वाले शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने से जुड़े एक मामले में सुनाया। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें इंटरनेट से वंचित करना आवश्यक नहीं है। इसके बजाय, इंटरनेट को उनके लिए अधिक सुरक्षित बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।हालांकि यह फैसला बच्चों से जुड़े मामले में दिया गया है, लेकिन इसके परिणाम सभी नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इंटरनेट के जरिये अभिव्यक्ति और व्यवसाय की स्वतंत्रता को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। हालांकि उस समय न्यायालय ने इंटरनेट तक पहुंच को मौलिक अधिकार घोषित नहीं किया था। लेकिन अब इसे स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। अब नागरिकों के पास इंटरनेट तक उनकी पहुंच सीमित करने वाले सरकारी कदमों को न्यायालय में चुनौती देने का स्पष्ट संवैधानिक आधार है। इनमें सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर बार-बार इंटरनेट बंद करना शामिल है। ऐसे प्रतिबंध पहले भी न्यायिक समीक्षा के अधीन थे, अब उन्हें चुनौती देने का आधार मजबूत हुआ है। लेकिन मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने का महत्व केवल सरकारी हस्तक्षेप को रोकने तक ही सीमित नहीं है। इससे नागरिकों को उस अधिकार का वास्तविक लाभ उठाने के लिए सरकार से अधिक सुविधाओं और आवश्यक कदमों की मांग करने का आधार भी मिलता है। साथ ही सरकारों की जिम्मेदारी भी बढ़ती है, क्योंकि सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रशासनिक तंत्र और वित्तीय संसाधन मुख्यतः उन्हीं के पास होते हैं। इस संदर्भ में सूचना व शिक्षा के अधिकारों के उदाहरण महत्वपूर्ण हैं। ये बताते हैं कि न्यायालय द्वारा किसी अधिकार को मान्यता मिलने से नागरिकों की मांगों को बल मिलता है और आगे चलकर कानून, सार्वजनिक निवेश तथा ऐसी संस्थाओं का निर्माण हो सकता है, जो इन अधिकारों को सार्थक बनाती हैं। 1975 में इंदिरा गांधी के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रश्न उठा कि क्या सरकार प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े आधिकारिक दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से इनकार कर सकती है। इस मामले में न्यायमूर्ति के.के. मैथ्यू ने कहा कि सरकार के कामकाज के बारे में जानने का नागरिकों का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। यह मान्यता सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम थी, लेकिन नागरिकों तक सरकारी जानकारी पहुंचाने का सफर अभी लंबा था। इसके बाद नागरिक संगठनों ने इस अधिकार को व्यवहार में लागू करने की मांग उठानी शुरू की, जिससे कई जनांदोलनों को बल मिला। अंततः वर्ष 2005 में संसद ने सूचना का अधिकार अधिनियम पारित किया। आज इस कानून के अंतर्गत नागरिक हर वर्ष लाखों आवेदन दाखिल करते हैं। दूसरा उदाहरण शिक्षा के अधिकार का है। वर्ष 1993 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी। लेकिन केवल इस मान्यता से सभी बच्चों के लिए विद्यालयों, शिक्षकों और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो सकती थी। इन सुविधाओं की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सरकारों पर ही थी। इसी दिशा में वर्ष 2002 में संसद ने संविधान में संशोधन कर छह से चौदह वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा को स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार बनाया। इसके बाद वर्ष 2009 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पारित हुआ। इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार भी ऐसी ही संभावनाएं प्रस्तुत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेट तक पहुंच के अधिकार की नींव रख दी है। लेकिन न्यायालयों के पास न तो आवश्यक वित्तीय संसाधन होते हैं और न ही प्रशासनिक तंत्र कि वे केवल अपने आदेशों से इस अधिकार को वास्तविकता में बदल सकें।इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकारों की ही है, जिन्हें आवश्यक संसाधन व बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना होगा। अब नागरिकों के पास इंटरनेट तक उनकी पहुंच सीमित करने वाले सरकारी कदमों को न्यायालय में चुनौती देने का अधिक स्पष्ट संवैधानिक आधार है।इनमें सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर बार-बार इंटरनेट बंद करना भी शामिल है। (ये लेखकों के अपने विचार हैं,अर्घ्य सेनगुप्ता)

दिवाली मिलन ट्रेंड : लोग खाने का ओरिजिन जानना पसंद कर रहे हैं

क्या आपने कभी 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम' नाम के डेजर्ट के बारे में सुना है या किसी को अपने पूरे मेन्यू को 'ब्यूटिरिशन' (ब्यूटी और न्यूट्रिशन को मिलाकर बना शब्द) कहते सुना है? अगर नहीं, तो इस लेख को ध्यान से पढ़िए और जानिए कि 2026 की दिवाली के लिए अमीरों के बीच फूड सेगमेंट को लेकर क्या ट्रेंड चल रहा है। मेरे जैसे लोग जहां नए कपड़े और मिठाइयां खरीदने के लिए अगले



महीने की सैलरी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं अमीरों की रसोइयों में इस बात पर 'डाइनरमीट' चल रही होगी कि दिवाली मिलन पर मेहमानों के लिए किस तरह का खास मेन्यू तैयार करें। 'डाइनरमीट'- यह शब्द मैंने बनाया है, जिसका अर्थ है मेन्यू पर चर्चा के लिए मीटिंग। दिलचस्प तौर पर इन बैठकों में फूड एडवाइजर, फूड साइंटिस्ट, फूड एक्सपर्ट, फूड क्यूरेटर, फूड एंबेसडर और फूड डेकोरेटर समेत कई लोग होते हैं। इन सभी को मिलाकर 'ट्रेंड्स काउंसिल' कहा जाता है और अमेजन के स्वामित्व वाली ग्रोसरी रिटेलर कंपनियां उन्हें काम पर भी रखती हैं। ये पेशेवर सिर्फ इंग्रीडिएंट्स पर ही चर्चा नहीं करते, बल्कि प्रीबायोटिक सोडा, खाने की चीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-डी की मात्रा पर भी बात करते हैं। पहले वे ईटिंग हैबिट्स के ट्रेंड डिस्कस करते हैं और फिर नए फ्लेवर और टेक्सचर कॉम्बिनेशन बनाने के लिए खाने की चीजों के साथ प्रयोग करते हैं। इस तरीके को 'डिश रीइन्वेंशन' कहते हैं, जिसमें मेहमानों से कहा जाता है कि वे अपनी पसंद के अनोखे फूड कॉम्बिनेशन बनाएं। खाने-पीने की चीजों के नए प्रयोग सिर्फ कंपनियां ही अपने बोर्डरूम में नहीं कर रही हैं, बल्कि अमीरों की रसोइयों में भी इस आइडिया को फॉलो किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी, जब ट्रेंड्स काउंसिल के सदस्यों ने अपने प्रिडिक्शन देना शुरू किया और यह इंडस्ट्री प्रैक्टिस बन गया। चूंकि ग्राहक यह जानना पसंद करते हैं कि उनका खाना कहां से आया है, इसलिए अमीर परिवारों ने भी मेहमानों को अपनी बनाई चीज दिखाने और उसके बारे में समझाने के लिए यह स्टाइल अपना ली। 'ब्यूटिरिशन' भी ऐसा ही एक ट्रेंड है, जिसमें मेजबान मेन्यू के बारे में बताते हैं कि इसमें कोलेजन, एंटीऑक्सीडेंट्स, फायदेमंद फैट और उस हाइड्रेशन की मात्रा कितनी है, जो आपकी स्किन को निखार सकता है। मुझे जिस डेजर्ट ने आकर्षित किया, वह थी 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम'। इसे बनाने के लिए शेफ पके हुए, गर्म और चिपचिपे चावल लेते हैं, जिन्हें अकसर 'स्वीट राइस' कहा जाता है। हालांकि, न तो ये चावल मीठे होते हैं और न ही इनमें ग्लूटेन होता है। फिर इन्हें सॉफ्ट करने के लिए इनमें कोकोनट मिल्क मिलाते हैं। दोनों को मिक्सर में डालकर चावल को एकदम मुलायम और सिल्की पयूरी जैसा बना लिया जाता है। इसमें बेहतर रंग और मीठेपन के लिए पके और फ्रेश हनी मैंगो मिलाए जाते हैं। इसे दुबारा मिक्सर में चलाते हैं। फिर डेकोरेटर प्यूरी को एक शेप देने के बाद उस पर पिस्ता या रोस्टेड बादाम के पतले और करीने से कटे टुकड़े छिड़कता है। इसे जमने में पूरा एक दिन लगता है और अगले दिन आप इसे खोलकर 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम' निकाल सकते हैं। मेरे लिए यह बिना आइसक्रीम मशीन के बेहतरीन आइसक्रीम बनाने का पहला अनुभव था। आजकल कड़वे इंग्रीडिएंट्स ज्यादा चलन में हैं। ग्राहक और मेहमान कड़वे इंग्रीडिएंट्स की ओर ज्यादा आकर्षित होते दिख रहे हैं। शायद डाइजेस्टिव वेलनेस पर बढ़ते फोकस के कारण ऐसा है। ऐसे में नॉन-अल्कोहॉलिक कॉकटेल और ब्रोकली रेबे व डैंडेलियन ग्रीन्स जैसी कड़वी हरी सब्जियां परोसी जा रही हैं। ब्रोकली रेबे इटली की एक पारंपरिक पत्तेदार सब्जी है, जिसका संबंध शलजम फैमिली से है। इसमें नरम डंठल और ब्रोकली जैसी छोटी-छोटी कलियां होती हैं। इसका फ्लेवर बोल्ड, नटी और हल्का कड़वा होता है, जिसे संतुलित करने के लिए इसमें पर्याप्त लहसुन और ऑलिव ऑइल मिलाते हैं। डैंडेलियन ग्रीन्स सूरजमुखी परिवार की देहाती, पत्तेदार सब्जी है। यह अपने तीखे, मिर्चीदार स्वाद और मिट्टी जैसी कड़वाहट के लिए जानी जाती है, जिसे सीजनिंग और एसिडिक चीजें मिला कर हल्का किया जाता है। अब बीन्स, चने और फलियां सिर्फ साइड डिशेज नहीं रह गए हैं। आजकल ये डिनर में प्रोटीन और फाइबर-रिच डाइट के तौर पर बहुत योगदान दे रहे हैं। फंडा यह है कि इस साल अपने दिवाली मिलन को ट्रेंडी बनाने के लिए मेहमानों को परोसे जाने वाले खाने की बायोलॉजी और हिस्ट्री को समझें। लेकिन याद रखिए कि डाइनर्स को हमेशा ऐसी सिंपल इंग्रीडिएंट लिस्ट ही पसंद आएंगी, जिन्हें शानदार नाम दिए जा सकें। एन. रघुरामन

'काम नहीं, तो वोट नहीं' का सिद्धांत अपनाएं तो क्या होगा?

हाल ही में मध्य प्रदेश के गुना में एक नागरिक ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से एक सड़क के लम्बित कार्य को लेकर शिकायत की। उसका दोटूक संदेश था : सड़क बनवाइए, वरना हम आपको वोट नहीं देंगे। मांग रखे जाने के इस



तरीके पर सिंधिया आपत्ति जताते दिखाई देते हैं और नागरिक से कहते हैं कि धमकी देने के बजाय अनुरोध करे। लेकिन इसके बाद सड़क के लिए करीब 3 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी जाती है और जरूरी प्रक्रिया को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दे दिए जाते हैं। सिंधिया लंबे समय से मेरे मित्र हैं।

वे एक भले व्यक्ति और सक्षम मंत्री हैं। इसलिए यह घटना उनके बारे में नहीं, बल्कि इससे मिलने वाले सबक के बारे में है।

हमें यह सरल निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि नागरिक की धमकी की वजह से सड़क का काम मंजूर हुआ। दरअसल, खबरों की मानें तो इसकी डीपीआर पहले ही तैयार हो चुकी थी।

सिंधिया की मंशा पर सवाल उठाने का कोई आधार नहीं हो सकता। लेकिन यह घटना लोकतंत्र की एक बुनियादी बात को सामने लाती है : मतदाता याचक नहीं होता, और सड़क आदि सुविधाएं उपलब्ध कराकर नेता भी नागरिक पर कोई उपकार नहीं कर रहे होते हैं। सड़कों का निर्माण सार्वजनिक धन से किया जाता है, जिसके संग्रह का स्रोत भी नागरिक ही है। निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के धन और जनहित के बीच एक माध्यम है। इसलिए यह रिश्ता अनुकम्पा नहीं, उत्तरदायित्व का होना चाहिए। लेकिन समय के साथ हमने जाने कैसे ऐसी राजनीतिक संस्कृति बना डाली है, जिसमें नागरिक अकसर याचक की मुद्रा में राजनेता के पास पहुंचता है। चुनाव के समय राजनेता भी नागरिक के सामने इसी शैली में आते हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि अगर मतदाता यह सिद्धांत अपना लें कि काम नहीं, तो वोट नहीं, तो क्या होगा? गुस्से भरे नारे के रूप में नहीं, धमकी के रूप में भी नहीं, बल्कि यह जवाबदेही तय करने का एक संवैधानिक लोकतांत्रिक माध्यम हो।

अलबत्ता शोध बताते हैं कि भारतीय मतदाताओं ने हमेशा ही इस तरह का व्यवहार नहीं किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई करीब 1.8 लाख ग्रामीण सड़कों का अध्ययन करने वाले एक बड़े शोध में पाया गया कि सड़कों के निर्माण से सत्तारूढ़ दल को अधिक चुनावी समर्थन नहीं मिला। सड़कें ऐसी सार्वजनिक सुविधाएं हैं, जो साफ दिखाई देती हैं और महत्वपूर्ण भी हैं, फिर भी उन्हें उपलब्ध कराने से चुनावी जीत की वह गारंटी नहीं मिली, जिसकी उम्मीद लोकतांत्रिक सिद्धांत के आधार पर की जा सकती है।

ऐसा क्यों है? इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि भारत के लोग आसानी से बहकावे में आ जाने वाले हैं। ऐसा कहना न केवल उनके लिए अपमानजनक, बल्कि गलत भी होगा।

भारतीय मतदाता जटिल राजनीतिक गणनाएं करने में पूरी तरह सक्षम हैं। वे अकसर सत्ता-परिवर्तन करके सरकारों को दंडित करते हैं।

समस्या यह है कि राजनीति में प्रदर्शन केवल एक कसौटी है, जिसके आधार पर मतदाता फैसला करते हैं। पहचान दूसरी कसौटी है। जाति मायने रखती है। धर्म मायने रखता है।

समुदाय के प्रति निष्ठा मायने रखती है। राष्ट्रीय नेतृत्व मायने रखता है। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मायने रखता है। राजनीतिक नैरेटिव मायने रखते हैं। भावनात्मक मुद्दे मायने रखते हैं। और जब चुनाव पहचान और नैरेटिव के बीच मुकाबला बन जाए, तो घर के बाहर मौजूद खस्ताहाल सड़क अजीब तरह से मतपेटी से गायब हो सकती है। यही भारतीय मतदाता का बड़ा विरोधाभास है। एक नागरिक के रूप में तो हम जमकर शिकायतें करते हैं, लेकिन मतदाता के रूप में बहुधा अलग तरह से वोट देते हैं। हम सड़क के गड्ढों को कोस सकते हैं, लेकिन चुनाव में किसी बिल्कुल अलग मुद्दे पर वोट दे आ सकते हैं। हम प्रदूषण, भ्रष्टाचार या बदहाल नागरिक सुविधाओं पर घंटों चर्चा कर सकते हैं और फिर चुनावी बहस को ऐसे मुद्दों के हाथों में जाने दे सकते हैं, जिनका हमारे रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता से बहुत कम संबंध है। शायद राजनेताओं ने भी इसे समझ लिया है।

समाधान यही है कि नागरिक संगठित हों, ताकि अपने वोट की ताकत का अधिकतम प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर सकें। 'काम नहीं, तो वोट नहीं' का मतलब यह नहीं होना चाहिए कि नागरिक किसी विपक्षी दल के प्रति अपनी निष्ठा तय कर लें।

इसका मतलब यह होना चाहिए कि हर दल और हर जनप्रतिनिधि यह समझे कि मतदाता जवाबदेही और काम चाहता है और उसी के अनुसार अपने वोट का इस्तेमाल करेगा। भारतीय लोकतंत्र में यही वह बदलाव है, जो अब तक नहीं आया है।भावनात्मक मुद्दे मायने रखते हैं।

जब चुनाव पहचान और नैरेटिव के बीच मुकाबला बन जाए, तो घर के बाहर मौजूद खस्ताहाल सड़क अजीब तरह से मतपेटी से गायब हो सकती है। यही भारतीय मतदाता का बड़ा विरोधाभास है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

पर्यावरण से जुड़े प्रश्न युद्ध खत्म होने तक नहीं रुकेंगे

युद्ध, भू-राजनीतिक उथल-पुथल और आर्थिक तंगी के दौर में यह बड़ी आसानी से मान लिया जा सकता है कि प्रकृति का संरक्षण जरूरी तो है, लेकिन उसकी तत्काल कोई अनिवार्यता नहीं। इसे तो शांतिकाल में भी किया जा सकता है। यह सोच घातक है। इन सर्दियों में जब दुनिया के नेता संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों के लिए जुटेंगे तो उन्हें याद रखना चाहिए कि दुनिया की आधी से अधिक जीडीपी प्रकृति और उससे मिलने वाली सेवाओं पर निर्भर है। 9.5 ट्रिलियन डॉलर की ग्लोबल फूड इंडस्ट्री गुणवत्तापूर्ण मिट्?टी पर टिकी है। 1.5 अरब लोगों की आजीविका वनों पर निर्भर है। नदियां बाढ़ के पानी को खुद में समेटकर परिवहन के महत्वपूर्ण नेटवर्क को बनाए रखती हैं। प्रकृति वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसकी रक्षा करना राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पर्यावरण से जुड़े प्रश्न मध्य-पूर्व और यूक्रेन में युद्ध खत्म होने तक इंतजार नहीं करेंगे। इस गर्मी में यूरोप में सूखे के कारण 2 से 3 अरब डॉलर की फसलें खराब हुईं। यह किसानों के लिए दोहरी मार थी, क्योंकि इससे पहले होर्मुज बंद होने से फर्टिलाइजर की कीमतों में भी 71फीसदी की बढ़ोतरी हो गई थी। युद्ध और चरम-मौसम की घटनाओं के मिले-जुले असर ने वैश्विक खाद्य कीमतों को 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पारिस्थितिकी तंत्र के आंशिक रूप से ध्वस्त होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 2.7 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद हम उन प्राकृतिक प्रणालियों को कमजोर करने का जोखिम नहीं उठा सकते, जिन पर हमारी अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं। '30 बाय 30' की पहल आज पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है। इसके तहत 2030 तक दुनिया की कम से कम 30फीसदी भूमि और समुद्री क्षेत्र की रक्षा एवं संरक्षण का लक्ष्य है।

अमेरिकी-इजराइली धर्मगुरु ने कहा- हिंदू गोमूत्र पीते हैं, भारतीय डॉक्टरों पर भी अपमानजनक टिप्पणी की

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रहने वाले इजराइली मूल के रब्बी योसी मिजराही ने हिंदुओं के गाय की पूजा करने का मजाक उड़ाया है। उन्होंने भारतीय डॉक्टरों को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की। मिजराही ने वीडियो में दावा



किया कि भारत में लोग गाय का पेशाब पीते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भारतीय डॉक्टर भी ऐसा करते हैं। उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर गायों के बैठने और उनकी वजह से ट्रैफिक रुकने का भी मजाक उड़ाया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारत और इजराइल के लोगों ने उनकी आलोचना की। कई लोगों ने उन्हें नस्लवादी बताया और कहा कि उन्होंने हिंदुओं की धार्मिक परंपराओं का अपमान किया है। वायरल वीडियो में मिजराही भारत के एक व्यक्ति का जिक्र करते हैं। उनका दावा है कि वह व्यक्ति पहले उनके फेसबुक पेज के लिए काम करता था और यहूदी धर्म अपनाना चाहता था। मिजराही ने कहा कि वह व्यक्ति भारत में अपने पिता और भाई के साथ रहता था। वे गाय की पूजा करते थे और उसके सामने झुकते थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ हिंदू गाय को घर के ड्राइंग रूम में ले आते हैं। जब गाय फर्श पर पेशाब करती है तो उसे चाटते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोग दवा की दुकानों से गाय का पेशाब खरीदते हैं। मिजराही ने एक गाय का उदाहरण देते हुए कहा कि उसका नाम सूजी था। वह सड़क के बीच में बैठ जाती थी, जिससे ट्रैफिक रुक जाता था। लोग उस गाय को हटाने की हिम्मत भी नहीं करते थे। आखिर में उन्होंने कहा कि हम इस पर हंस रहे हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्रिया भी अदा कर रहे हैं कि उन्होंने हमें उनके जैसा नहीं बनाया। इजराइली लेखक बोले- मिजराही इजराइल की छवि खराब कर रहेः- वीडियो वायरल होने के बाद इजराइल के शोधकर्ता और लेखक येशाया रोसेनमैन ने मिजराही की आलोचना की। रोसेनमैन भारत में रहते हैं और यहां अध्ययन करते हैं। रोसेनमैन ने कहा कि मिजराही की वजह से इजराइल की अंतरराष्ट्रीय छवि को जितना नुकसान पहुंच रहा है, वह हैरान करने वाला है।फिलिस्तीन के भारत में राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने भी बिना नाम लिए कहा कि किसी के धर्म और धार्मिक परंपराओं का मजाक उड़ाना पूरी इंसानियत के लिए खतरा है। होलोकॉस्ट पर गलत दावा कर चुके हैं मिजराहीः- मिजराही अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोडॉक्स यहूदी धर्म के प्रचारक हैं। वे 'डिवाइन इन्फॉर्मेशन' नाम से ऑनलाइन धार्मिक मंच चलाते हैं। अपने बयानों को लेकर वे पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं। दिसंबर 2015 में उन्होंने दावा किया था कि होलोकॉस्ट में 10 लाख से भी कम यहूदी मारे गए थे। होलोकॉस्ट दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान हिटलर की नाजी सरकार द्वारा करीब 60 लाख यहूदियों की सामूहिक हत्या को कहा जाता है। होलोकॉस्ट के इतिहासकार एफ्राइम जुरॉफ ने उनके दावे को गलत बताया था। इसके बाद मिजराही ने माफी मांगी थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि ऑटिज्म और डाउन सिंड्रोम पिछले जन्म में किए गए पापों की सजा हैं। दिसंबर 2016 में ऑर्थोडॉक्स यहूदी धर्म के 16 रब्बियों ने उनके भाषणों और प्रचार के तरीके की आलोचना की थी। उन्होंने उनके बयानों को भ्रामक, आपत्तिजनक और खतरनाक बताया था। 2019 में ब्रिटेन में प्रवेश को लेकर हुआ था विवादः- मार्च 2019 में मिजराही को लंदन और मैनचेस्टर में भाषण देने जाना था। लेकिन उनके विवादित बयानों की वजह से ब्रिटिश अधिकारियों के उन्हें देश में प्रवेश देने पर रोक लगाने की खबरें आईं। 'द ज्यूइश क्रॉनिकल' के मुताबिक, मिजराही ने बाद में बताया कि उन्होंने खुद ही ब्रिटेन जाने का इरादा छोड़ दिया था। उन्हें डर था कि हवाई अड्डे पर अधिकारी उनसे पूछताछ कर सकते हैं या उन्हें ब्रिटेन में घुसने से रोक सकते हैं। हालांकि, ब्रिटेन सरकार ने आधिकारिक तौर पर यह नहीं कहा था कि मिजराही पर देश में आने की पाबंदी लगाई गई थी।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी-अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे,ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी



इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर से मुलाकात की। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर हमले की तैयारीः- अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं। सऊदी, कतर, कुवैत में भी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा अमेरिकाः-विमान ट्रैकिंग डेटा पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के ज्यादातर सैन्य मालवाहक विमान टेक्सास के बिग्स आर्मी एयरफील्ड से रवाना हुए थे। ये इजराइल के नेवातिम और ओवदा एयरबेस पहुंचे। इसके अलावा अमेरिका के कई सैन्य विमान सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी पहुंचे हैं। इन विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है। ईरान पर चुनावों में दखल देने के आरोप लगेः-ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही वह अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था। अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई। एक अधिकारी ने कहा कि ईरान इसे अमेरिका और इजराइल के खिलाफ युद्ध का हिस्सा मानता है। उसका मकसद दोनों देशों के लोगों के बीच मतभेद बढ़ाना है। हालांकि, ईरान किसी खास उम्मीदवार का समर्थन नहीं करता। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब इजराइल में चुनाव में विदेशी दखल के आरोपों की जांच चल रही है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को सुरक्षा एजेंसी शिन बेट को इसकी जांच के आदेश दिए। ईरान ने गुरुवार को बताया कि उसे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पत्र मिला है, लेकिन उसने अभी जवाब नहीं दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, इस पत्र का मकसद दोनों देशों के बीच शांति वार्ता फिर शुरू करना था। ईरान ने अमेरिका के सामने रखी अपनी 7 शर्तें पूरी करने की मांग दोहराई है। दूसरी ओर, ट्रम्प ने कहा कि वेंस ने ईरान से शांति वार्ता के लिए नहीं, बल्कि मेडिकल सामान पहुंचाने के मामले में संपर्क किया था। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान ने बीमार लोगों के लिए मेडिकल सामान और दूसरी जरूरी चीजों की मदद मांगी थी।

अमेरिका यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा,यूरोप-कनाडा उठाएंगे पूरा खर्च-जेलेंस्की ने हर महीने 100 मिसाइलें मांगीं

वॉशिंगटन डीसी। इन मिसाइलों का इस्तेमाल पैट्रियट और 'नासमस' एयर डिफेंस



सिस्टम में होना है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में यूक्रेन के पास पैट्रियट मिसाइलों का मौजूदा स्टॉक पूरी तरह खत्म हो गया था। जेलेंस्की ने बताया था कि इस साल अमेरिका से यूक्रेन को हर महीने औसतन सिर्फ 12 पैट्रियट मिसाइलें मिलीं, जबकि रूसी हमलों से बचने के लिए हर महीने करीब 150 बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकना पड़ता है। यूरोप यूक्रेन की मदद क्यों कर रहा? यूरोपीय देशों और कनाडा की यूक्रेन को मदद देने की सबसे बड़ी वजह रूस का हमला और अपनी सुरक्षा की चिंता है। यूरोपीय संघ (ईयू) का मानना है कि रूस को यूक्रेन में आगे बढ़ने से रोकना पूरे यूरोप की सुरक्षा के लिए जरूरी है। अगर यूक्रेन कमजोर पड़ता है, तो रूस का खतरा यूरोप के दूसरे देशों तक भी पहुंच सकता है। यूरोपीय संघ के मुताबिक, यूक्रेन की सुरक्षा और यूरोप की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हैं।इसलिए वह यूक्रेन को सिर्फ हथियार ही नहीं, बल्कि आर्थिक मदद, सैन्य प्रशिक्षण और अपने यहां हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाने में भी मदद कर रहा है।पुतिन ने यूरोप को चेतावनी दी थी- रूस से टकराव मंहगा पड़ेगाः- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों को चेतावनी दी है कि रूस से टकराव बढ़ाना उनके लिए महंगा पड़ सकता है। पुतिन ने कहा कि रूस यूरोप के साथ युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई देश उससे टकराव करता है तो उसे इसके नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तनाव बहुत ज्यादा बढ़ा तो किसी की जीत नहीं होगी। कनाडा ने यूक्रेन को सैन्य मदद जारी रखने का वादा कियाः-कनाडा भी यूक्रेन की सैन्य और आर्थिक मदद कर रहा है। कनाडा सरकार के मुताबिक, 2022 से अब तक उसने यूक्रेन के लिए 25.5 अरब कनाडाई डॉलर से ज्यादा की आर्थिक, सैन्य और मानवीय मदद देने का वादा किया है। कनाडा ने अपना सैन्य प्रशिक्षण मिशन ऑपरेशन यूनिफायर 2029 तक बढ़ा दिया है।

इसके तहत कनाडा यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देगा और उन्हें हथियार, गोला-बारूद और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध कराएगा। 10 सितंबर 2026 को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और जेलेंस्की की मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि कनाडा यूक्रेन की एयर डिफेंस मजबूत करने और मिसाइलों की कमी दूर करने में मदद करेगा। दोनों देशों ने मिलकर ड्रोन, ड्रोन रोकने वाले सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण और गोला-बारूद बनाने की योजना भी बनाई है। इसके लिए तकनीक और रिसर्च में भी सहयोग किया जाएगा।

ट्रम्प की पार्टी के लिए वोट मांगते हुए मस्क बोले- 2028 में डेमोक्रेट्स जीते तो अमेरिका में लोकतंत्र खत्म

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने चेतावनी दी है कि अगर 2028



के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति पद और संसद के दोनों सदनों में जीत हासिल कर ली, तो देश में लोकतंत्र खत्म हो सकता है। मस्क ने कहा कि डेमोक्रेट्स अपने फायदे के लिए देश की राजनीतिक व्यवस्था बदल सकते हैं। इसके बाद अमेरिका एक ऐसी व्यवस्था में बदल जाएगा, जहां हमेशा एक ही पार्टी का शासन रहेगा। मस्क ने लोगों से 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। मस्क बोले- डेमोक्रेट्स जीतें अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा मिलेगाः-मस्क के मुताबिक, डेमोक्रेट्स सत्ता में आने पर तीन बड़े बदलाव कर सकते हैं। 1. वॉशिंगटन डीसी और प्यूर्टो रिको को राज्य का दर्जाः मस्क का दावा है कि डेमोक्रेट्स इन दोनों को अमेरिकी राज्य बनाकर सीनेट में अपनी पार्टी की सीटें बढ़ा सकते हैं। 2. अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जाः उन्होंने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को कानूनी दर्जा देकर अपने लिए स्थायी वोट बैंक बना सकते हैं। 3. सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ानाः मस्क का कहना है कि डेमोक्रेट्स कोर्ट में नए जज नियुक्त करके वहां अपना बहुमत बना सकते हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवारों पर रु4200 करोड़ खर्च कर चुके हैं मस्कः-मस्क सिर्फ सोशल मीडिया पर ही रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन नहीं कर रहे, बल्कि चुनाव में बड़ी रकम भी लगा रहे हैं। वे अब तक रिपब्लिकन उम्मीदवारों पर 442 मिलियन डॉलर यानी करीब रु4200 करोड़ से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक, मस्क ने पिछले एक महीने में अपने राजनीतिक संगठन अमेरिका पीएसी को समर्थन में रु3,477 करोड़ खर्च कर चुके थे। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान अमेरिका पीएसी बनाया था। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनावः-अमेरिका में 3 नवंबर 2026 को मिडटर्म चुनाव होने हैं।

ये चुनाव राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच यानी दो साल बाद होते हैं। इनमें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर वोटिंग होगी। इसके अलावा कई राज्यों में गवर्नर और स्थानीय पदों के लिए भी चुनाव होंगे। इन चुनावों से तय होगा कि संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का बहुमत रहेगा। अगर डेमोक्रेट्स ने बहुमत हासिल कर लिया, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए अपने फैसले लागू करना मुश्किल हो सकता है।

अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर ईरान ने आर्मी एमिनेशन खरीदा,रिपोर्ट-चीन-रूस से मंगवाए मिसाइलों के पुर्जे

तेहरान। यही नंबर शिपिंग दस्तावेजों, बिलों और बैंक खातों



में भी दर्ज था। इससे फर्जी कंपनियों के पीछे छिपे इस पूरे नेटवर्क का पता लगाना संभव हुआ। इन सीक्रेट एजेंसियों ने क्या-क्या खरीदा? एमओडी 346428 नाम की एक एजेंसी ने जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच 2.3 अरब डॉलर का सामान खरीदा। इसमें रॉकेट ईंधन बनाने वाले केमिकल, विस्फोटक और हथियारों के पुर्जे शामिल थे। जनवरी से अप्रैल 2025 के बीच इसने चीन से 886 टन सोडियम क्लोरेट और परक्लोरेट जैसे केमिकल मंगाए। इनका इस्तेमाल ठोस ईंधन वाले रॉकेट बनाने में होता है। रॉयटर्स के मुताबिक, 26 अप्रैल 2025 को शाहिद रजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट की वजह भी सोडियम परक्लोरेट था। कंटेनरों में आग लगने से यह केमिकल फट गया था। हादसे में 70 लोगों की मौत हुई और 1,200 से ज्यादा घायल हुए। वहीं, एक एजेंसी ने 435 इवेको ट्रक भी खरीदे, जिन्हें बदलाव करके मोबाइल मिसाइल लॉन्चर बनाया जा सकता है। युद्ध शुरू होने के बाद भी जारी रही खरीदारीः-रॉयटर्स की जांच के मुताबिक, 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद भी ईरान में सामान पहुंचता रहा। युद्ध के दौरान मार्च में ईरान का मासिक आयात 47फीसदी घटकर 5.4 करोड़ डॉलर रह गया, लेकिन मई में फिर बढ़कर 7.7 करोड़ डॉलर हो गया। रूस से 76 लाख डॉलर के डेटोनेटर पांच खेप में पहुंचे। आखिरी खेप जून में आई। यूएई से भी 2.7 करोड़ डॉलर का सामान आया, जिसकी सबसे नई खेप जून में अमेरिकी नाकेबंदी में ढील के कुछ दिन बाद पहुंची।

ईरान ने कंप्यूटर से चलने वाली खराद मशीनें और इलेक्ट्रॉन बीम भट्ठियां भी खरीदीं। इनका इस्तेमाल मिसाइल और ड्रोन के ढांचे बनाने में हो सकता है।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव की शुरुआती वोटिंग-रिपब्लिकन पार्टी पीछे,ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही शुरुआती वोटिंग शुरू हो गई



है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं। रॉयटर्स और इप्सॉस के सर्वे के मुताबिक, अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47फीसदी और रिपब्लिकन पार्टी को 36फीसदी वोटरों का समर्थन मिल रहा है। इस बीच ट्रम्प ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांग की है। माना जा रहा है कि ट्रम्प इस डेटा के जरिए विरोधी वोटरों की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। शुरुआती वोटिंग क्या होती है? अमेरिका में चुनाव के तय दिन से पहले ही वोट डालने की सुविधा को शुरुआती वोटिंग कहते हैं। वोटर चुनाव वाले दिन का इंतजार किए बिना तय समय के दौरान वोट डाल सकते हैं। इसके लिए वोटर मतदान केंद्र जाकर या कुछ राज्यों में डाक से बैलेट भेजकर वोट दे सकते हैं। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोट डालने का मौका देना है। ट्रम्प वोटरों की निजी जानकारी मांग रहेः-ट्रम्प सरकार ने 30 राज्यों से वोटरों की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में ट्रम्प प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की है। इस लिस्ट में वोटरों के पते, जन्मतिथि और सोशल सिक्योरिटी नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं। ट्रम्प सरकार का कहना है कि वह यह जानकारी इसलिए चाहता है ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं गैर-अमेरिकी नागरिक तो वोट नहीं डाल रहे। हालांकि, अब तक फर्जी वोटिंग होने का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। जानकारों ने चिंता जताई है कि इस जानकारी का इस्तेमाल ट्रम्प के विरोध में वोट डालने वालों की पहचान के लिए हो सकता है। आशंका है कि सरकार इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई और एफबीआई के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बना सकती है। महंगाई और रोजगार से नाराज हैं वोटरः-ट्रम्प सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों की नाराजगी है। रॉयटर्स-इप्सोस सर्वे के मुताबिक- महंगाईः 65फीसदी वोटर ट्रम्प के आर्थिक फैसलों से नाराज हैं। इमिग्रेशनः 48फीसदी वोटरों का मानना है कि सख्त इमिग्रेशन नीतियों से अमेरिका को नुकसान हो रहा है। रोजगारः 45फीसदी वोटरों का कहना है कि नौकरी के मौके कम हो रहे हैं। ओबामा और कमला हैरिस भी प्रचार में जुटेः- डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। वे अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय हैं। भारतवंशी पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में वे ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थीं। मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा। टैरिफ, वीजा और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर फैसले लेने में भी उन्हें संसद के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार्यकाल के बाकी दो साल वे कमजोर राष्ट्रपति बनकर रह सकते हैं। अमेरिकी राजनीति में ऐसी स्थिति को 'लेम डक' कहा जाता है। अगर ट्रम्प की पार्टी हारी तो डेमोक्रेट्स उसके खिलाफ और मुखर हो सकते हैं।विपक्षी नेता उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात पहले ही कह चुके हैं। अगर संसद में डेमोक्रेट्स को जरूरी संख्या में सीटें मिलती हैं तो ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका में करीब 17 करोड़ वोटर हैं। इनमें भारतीय मूल के करीब 25 से 26 लाख लोग वोट देने के योग्य हैं।कार्नेगी एंडोमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा करीब 4.16 लाख भारतीय मूल के वोटर हैं। इसके बाद टेक्सास, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क का नंबर आता है। 2024 के एक सर्वे में 60फीसदी भारतीय मूल के वोटरों ने कमला हैरिस और 31फीसदी ने ट्रम्प को समर्थन देने की बात कही थी।

अमेरिका ने जानकारी लीक करने वाले अफसर को हटाया-जांच के दौरान जुर्म कबूला,ईरान-यूक्रेन युद्ध से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक किया था

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को पद से हटाने की वजह सामने आई है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उन्हें पत्रकारों को गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में हटाया था। यह मामला रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध से जुड़ा है। सिल्विया ने जांच के दौरान पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की थी। सिल्विया को 28 अक्टूबर को पद से हटाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 से करीब एक साल तक उन्होंने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से संपर्क रखा और उन्हें गोपनीय जानकारी दी। दोनों मीडिया संस्थानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। लीक हुई जानकारी का पूरा ब्योरा सामने नहीं आया है। अब तक जांच से जुड़ी रिपोर्टों 4 अहम बातें सामने आई हैं:1. यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य मदद की जानकारी दीः सिल्विया ने एक पत्रकार को गोपनीय सैन्य रिपोर्ट में दर्ज अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जा रही मदद की जानकारी बताई थी। इसके लिए उन्होंने रिपोर्ट पढ़ते समय बनाए गए नोट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने पत्रकार को ये बातें लिखित दस्तावेज देने के बजाय आमने-सामने मुलाकात में बताई थीं। हालांकि, हथियारों के नाम, उनकी संख्या और सप्लाई से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है। 2. ईरान से जुड़े मैसेज की जांचः जांच में एक पत्रकार के साथ सिग्नल ऐप पर हुई बातचीत भी सामने आई। सिल्विया को जून या जुलाई 2026 में पत्रकार का एक मैसेज मिला था। उन्होंने जांच अधिकारियों को बताया कि उन्हें लगा था कि यह मैसेज ईरान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बातचीत का सही ब्योरा याद नहीं है और मैसेज हटाते समय गलती से पूरी चैट भी डिलीट हो गई थी। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि उन्होंने जानबूझकर बातचीत मिटाई थी। हालांकि, मैसेज में क्या जानकारी थी, इसका खुलासा नहीं हुआ है। 3. यूक्रेन युद्ध पर किताब लिख रहे पत्रकार से दो बार मिलेः सिल्विया ने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से



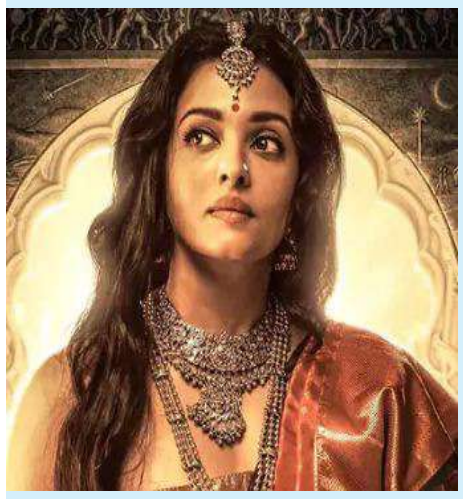
संपर्क रखा था। इनमें से एक पत्रकार यूक्रेन युद्ध पर किताब लिख रहा था। सिल्विया उससे दो बार मिले थे। 4. सिग्नल ऐप से बातचीत और बाहर मुलाकातः सिल्विया पत्रकारों से संपर्क के लिए सिग्नल ऐप का इस्तेमाल करते थे। एक पत्रकार की पेंटागन में एंट्री बंद होने के बाद उन्होंने उससे वर्जीनिया के सिल्वर डाइनर रेस्तरां में मुलाकात की। पॉलीग्राफ टेस्ट में 4 बार फेल हुए, फिर जानकारी देने की बात मानीः-एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, सिल्विया चार बार पॉलीग्राफ यानी झूठ पकड़ने वाले टेस्ट में फेल हुए थे। इसके बाद उन्होंने वीडियो रिकॉर्डिंग में पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की। पॉलीग्राफ टेस्ट में व्यक्ति के झूठ बोलने का पता लगाने के लिए उसकी सांस, दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर जैसे बदलावों को मापा जाता है। जांच के दौरान उन्होंने अपना निजी फोन भी अधिकारियों को दिया, ताकि पत्रकारों के साथ हुई बातचीत की जांच की जा सके। हालांकि, पॉलीग्राफ टेस्ट को किसी के झूठ बोलने का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाता। ईरान युद्ध के दौरान हथियारों की कमी की खबरें भी आईं:-सिल्विया का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों के भंडार और सैन्य तैयारियों को लेकर भी कई जानकारियां मीडिया में आई थीं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, इन खबरों के बाद सेना के कई अधिकारियों की पॉलीग्राफ जांच कराई गई थी। रॉयटर्स ने 28 अक्टूबर को अमेरिकी सेना के आंतरिक आकलन के हवाले से बताया था कि ईरान युद्ध में इस्तेमाल किए गए हथियारों का भंडार दोबारा भरने में करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं। युद्ध पर अमेरिका का कुल खर्च 47 अरब डॉलर से ज्यादा बताया गया था। इसमें हथियारों की भरपाई, सैन्य अभियान और उपकरणों के नुकसान का खर्च शामिल है। पेंटागन ने लीक रोकने के लिए बनाया जांच दलः-गोपनीय जानकारी मीडिया तक पहुंचाने वाले अधिकारियों की पहचान के लिए पेंटागन ने जुलाई 2026 में अमेरिकी न्याय विभाग के साथ मिलकर एक जांच दल बनाया था। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लीक करने वालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारी लगाने की घोषणा की थी। इससे पहले पेंटागन ने रक्षा मामलों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए प्रवेश और रिपोर्टिंग से जुड़े नियम सख्त किए थे। इसके विरोध में कई पत्रकारों और मीडिया संस्थानों ने अपने प्रेस पास लौटा दिए थे।

ऐश्वर्या हुई 53 की, मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर बनीं ग्लोबल स्टार,विल स्मिथ ने दिया था फिल्मों का ऑफर फिर भी छोड़ीं कई बड़ी फिल्में

मुंबई। ऐश्वर्या राय बच्चन आज अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीतने से पहले ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने पढ़ाई और मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। वह इस प्रतियोगिता में सुष्मिता सेन के बाद दूसरे स्थान पर रही थीं। नवंबर में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सन सिटी में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता



में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतियोगिता में 86 देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। ऐश्वर्या ने मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीता। वह रीता फारिया के बाद मिस वर्ल्ड बनने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं। फाइनल में उनसे पूछा गया था कि उनके मुताबिक मिस वर्ल्ड में कौन-से गुण होने चाहिए। ऐश्वर्या ने जवाब में करुणा, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रीयता, रंग तथा सामाजिक हैसियत से ऊपर उठकर इंसान को देखने की बात कही थी। इस जवाब से भी उन्हें दुनिया भर में पहचान मिली। मिस वर्ल्ड बनने के बाद उनका जीवन बदल गया। उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। फैशन शो, मीडिया इंटरव्यू, सामाजिक कार्यक्रमों और दुनियाभर की यात्राओं से उनकी पहचान भारतीय मॉडल से अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी के रूप में बनने लगी। मिस वर्ल्ड संगठन के मुताबिक, ऐश्वर्या ने अपने कार्यकाल में कई देशों का दौरा किया और सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इस अनुभव से उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत हुई। 1997 में फिल्मों में एंट्री, पहली फिल्म से मिली तारीफ मिस वर्ल्ड बनने के बाद ऐश्वर्या ने तुरंत बॉलीवुड में कदम नहीं रखा। 1997 में उन्होंने मणिरत्नम की तमिल फिल्म 'इरुवर' से एक्टिंग डेब्यू किया। इसमें उनके साथ मोहनलाल और प्रकाश राज थे। फिल्म को समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया प्रतियोगिता को प्राथमिकता दी। इसके बाद उन्होंने तमिल और हिंदी फिल्मों से करियर शुरू किया। 'हम दिल दे चुके सनम', 'ताल' और 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल किया। वहीं, 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस', 'द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज', 'प्रोवोक्ड', 'द लास्ट लीजन' और 'द पिंक पैंथर 2' जैसी अंग्रेजी फिल्मों से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। उन्हें 'ट्रॉय', 'रश ऑवर' और विल स्मिथ की कुछ फिल्मों के ऑफर भी मिले, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के कारण उन्होंने ये फिल्में नहीं कीं। एक दौर में कान्स से हॉलीवुड तक चर्चा में रहने वाली ऐश्वर्या के करियर में अब फिल्मों की संख्या काफी कम हो गई है। मिस वर्ल्ड बनने से पहले ही मिले थे चार फिल्मों के ऑफरः-ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी सफर मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद शुरू नहीं हुआ था। फिल्मों में आने से पहले ही वह मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बना चुकी थीं। 1991 में उन्होंने फोर्ड सुपरमॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद वह कई बड़े ब्रांड के विज्ञापनों और फैशन मैगजीन में नजर आईं। 1990 के दशक की शुरुआत में ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। 2012 में वोग इंडिया को दिए इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड प्रतियोगिताओं में शामिल होने से पहले उन्हें कम से कम चार फिल्मों के प्रस्ताव मिल चुके थे।



ऐश्वर्या ने बताया था कि उस समय उन्होंने फिल्मों में आने के बजाय मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया। वह कुछ समय फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहकर करियर के दूसरे विकल्प देखना चाहती थीं। उन्होंने बताया था कि अगर वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में शामिल नहीं होतीं, तो आमिर खान के साथ 'राजा हिंदुस्तानी' उनकी पहली फिल्म हो सकती थी। 1996 में आई इस फिल्म में बाद में करिश्मा कपूर नजर आईं। ऐश्वर्या के मुताबिक, वह पढ़ाई बीच में छोड़कर फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। उन्हें लगता था कि उनके फैसले का असर उन युवाओं पर पड़ सकता था, जो उन्हें अपना आदर्श मानते थे। वह नहीं चाहती थीं कि उनकी सफलता देखकर लोग पढ़ाई छोड़कर सीधे ग्लैमर की दुनिया में आने का फैसला करें। 1994 में मिस वर्ल्ड बनीं, दुनिया भर में पहचान मिलीः-ऐश्वर्या राय ने जनवरी 1994 में मिस इंडिया मिली। इसी साल उनकी पहली हिंदी फिल्म 'और प्यार हो गया' रिलीज हुई। इसमें वह बॉबी देओल के साथ नजर आईं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन ऐश्वर्या की खूबसूरती और स्क्रीन प्रेजेंस की चर्चा होने लगी। 1998 में तमिल फिल्म 'जीन्स' से उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा में पहचान मिली। इसके बाद वह ऋषि कपूर के निर्देशन में बनी फिल्म 'आ अब लौट चले' में अक्षय खन्ना के अपोजिट नजर आईं। हालांकि यह फिल्म सफल नहीं रही। 1999 में संजय लीला भंसाली की 'हम दिल दे चुके सनम' उनके करियर की बड़ी फिल्म साबित हुई। इसी साल उन्होंने सुभाष घई की फिल्म 'ताल' में काम किया। फिल्म के गानों और ऐश्वर्या की स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। 'हम दिल दे चुके सनम' के लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला। 2000 में वह 'मोहब्बतें', 'जोश' और 'हमारा दिल आपके पास है' जैसी फिल्मों में नजर आईं। इन फिल्मों से साफ हुआ कि ऐश्वर्या खूबसूरती के साथ-साथ अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर भी अपनी जगह बना सकती हैं। 'देवदास' ने पहुंचाया कान्स तक, बनीं अंतरराष्ट्रीय पहचान वाली अभिनेत्रीः-ऐश्वर्या के करियर की अहम फिल्मों में संजय लीला भंसाली की 'देवदास' शामिल है। 2002 में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने पारो का किरदार निभाया था। शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित के साथ उनकी मौजूदगी दर्शकों और समीक्षकों को पसंद आई। फिल्म 2002 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई थी। इसके बाद ऐश्वर्या की अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत हुई।2003 में वह कान्स फिल्म फेस्टिवल की जूरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। यह भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी उपलब्धि थी। अब उनकी पहचान सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्री तक सीमित नहीं थी। वह अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों, फैशन इवेंट्स और ग्लोबल ब्रांड्स के बीच पहचानी जाने लगी थीं। 2004 में उन्हें टाइम मैगजीन की दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में जगह मिली। इसी दौर में यूरोप और अमेरिका में उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस' से शुरू हुआ अंग्रेजी फिल्मों का सफरः-ऐश्वर्या ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम करने का फैसला सिर्फ हॉलीवुड में जगह बनाने के लिए नहीं किया था। वह अलग-अलग भाषाओं और देशों के सिनेमा में काम करना चाहती थीं। 2004 में गुरिंदर चड्ढा की अंग्रेजी फिल्म 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस' रिलीज हुई। यह जेन ऑस्टिन के मशहूर उपन्यास 'प्राइड एंड प्रेजुडिस' की भारतीय पृष्ठभूमि पर आधारित आधुनिक प्रस्तुति थी। इसमें ऐश्वर्या ने ललिता बख्शी का किरदार निभाया था। फिल्म में भारतीय संगीत, डांस और पश्चिमी कहानी का मिश्रण था। इसके जरिए ऐश्वर्या ब्रिटेन और अमेरिका के दर्शकों तक पहुंचीं। 2005 में वह 'द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज' में नजर आईं। यह फिल्म चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी के उपन्यास पर आधारित थी। इसमें उन्होंने तिलो नाम की महिला का किरदार निभाया, जो मसालों के जरिए लोगों की समस्याएं समझने और उनकी मदद करने की कोशिश करती है।2006 में उनकी अंग्रेजी फिल्म 'प्रोवोक्डः ए ट्रू स्टोरी' रिलीज हुई। यह किरणजीत अहलूवालिया की वास्तविक जिंदगी से प्रेरित थी। इसमें ऐश्वर्या ने घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिला का किरदार निभाया था। यह उनके करियर के गंभीर और चुनौतीपूर्ण किरदारों में से एक था। 2007 में 'द लास्ट लीजन' में उन्होंने ब्रिटिश और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ काम किया। इसमें कॉलिन फर्थ और बेन किंग्सले भी थे। 2009 में वह हॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'द पिंक पैंथर 2' में नजर आईं। इसमें स्टीव मार्टिन, जीन रेनो और एंडी गार्सिया भी थे। इन फिल्मों से ऐश्वर्या ने अंग्रेजी सिनेमा में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। सभी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर एक जैसी सफलता नहीं मिली, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान बढ़ी। 'ट्रॉय' से 'रश ऑवर' तक हॉलीवुड के बड़े प्रोजेक्ट ठुकराएः-ऐश्वर्या के अंतरराष्ट्रीय करियर की दिलचस्प बात यह है कि उन्हें कई बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव मिले थे, लेकिन वह इनका हिस्सा नहीं बन सकीं। 2009 में 'द नेशनल' को दिए इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि निर्देशक ब्रेट रैटनर ने 'रश ऑवर' फ्रेंचाइजी में काम करने के लिए उनसे दो बार संपर्क किया था। ब्रैड पिट की फिल्म 'ट्रॉय' में हेलेन के किरदार के लिए भी उनका नाम चर्चा में था। उन्होंने बताया था कि माइकल डगलस भारत आकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार कर चुके थे कि वह उनके पास एक फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आए थे। विल स्मिथ ने भी 'हैनकॉक' और 'सेवन पाउंड्स' के लिए उनसे दो बार संपर्क किया था। ऐश्वर्या ने इन फिल्मों को ठुकराने की वजह हॉलीवुड के प्रति अनिच्छा नहीं बताई। उनका कहना था कि भारत में फिल्मों की व्यस्तता के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स के लिए समय निकालना मुश्किल हो जाता था। उन्होंने समझाया था कि भारतीय सिनेमा में लगातार काम करने वाले कलाकार का शेड्यूल कई साल पहले तक तय हो सकता है। ऐसे में विदेशी फिल्मों की शूटिंग के लिए समय निकालना आसान नहीं होता।इससे समझ आता है कि ऐश्वर्या ने अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए बॉलीवुड छोड़ने की कोशिश नहीं की। वह दोनों जगह अपनी पसंद और उपलब्ध समय के मुताबिक काम करना चाहती थीं। बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में भी रहीं शामिलः-अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम करने के बावजूद ऐश्वर्या भारतीय सिनेमा से जुड़ी रहीं।



2006 में ऋतिक रोशन के साथ 'धूम 2' में उनका ग्लैमरस अंदाज दर्शकों को पसंद आया। फिल्म बड़ी व्यावसायिक सफलता साबित हुई। 2007 में मणिरत्नम की 'गुरु' में अभिषेक बच्चन के साथ उनकी जोड़ी पसंद की गई। इसी साल दोनों ने शादी की। 2008 में आई 'जोधा अकबर' में उन्होंने जोधा बाई का किरदार निभाया। ऋतिक रोशन के साथ उनकी जोड़ी और फिल्म के भव्य सेट्स की चर्चा हुई। 2010 में उन्होंने 'रावण', 'रोबोट' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में काम किया। संजय लीला भंसाली की 'गुजारिश' में उनके अभिनय की खास तौर पर तारीफ हुई। इसमें उन्होंने गंभीर दुर्घटना के बाद लकवाग्रस्त हुए व्यक्ति की नर्स का किरदार निभाया था। इन फिल्मों से साफ था कि ऐश्वर्या सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती थीं। वह ऐतिहासिक, रोमांटिक, सामाजिक और गंभीर किरदारों में अपनी प्रतिभा दिखा चुकी थीं। बेटी के जन्म के बाद बदली प्राथमिकताएं, फिल्मों से लंबा ब्रेक लियाः-2011 में ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन के घर बेटी आराध्या का जन्म हुआ। इसके बाद ऐश्वर्या ने फिल्मों से लंबा ब्रेक लिया। उन्होंने इसे करियर से दूरी बनाने के बजाय अपनी प्राथमिकताओं के मुताबिक लिया गया फैसला बताया। 2010 में 'गुजारिश' के बाद वह करीब पांच साल तक किसी नई फिल्म में नजर नहीं आईं। 2015 में संजय गुप्ता की 'जज्बा' से उन्होंने वापसी की। इसमें वह ऐसी वकील की भूमिका में थीं, जिसकी बेटी का अपहरण हो जाता है। 2016 में वह 'सरबजीत' में नजर आईं। इसमें उन्होंने सरबजीत सिंह की बहन दलबीर कौर का किरदार निभाया था। इसी साल करण जौहर की 'ऐ दिल है मुश्किल' में उन्होंने सबा नाम की शायरा की भूमिका निभाई। रणबीर कपूर के साथ उनके दृश्यों की खूब चर्चा हुई। 2018 में उन्होंने अनिल कपूर और राजकुमार राव के साथ 'फन्ने खां' में काम किया। इसके बाद हिंदी फिल्मों में उनकी सक्रियता फिर कम हो गई। ऐश्वर्या ने अपने करियर में हर साल कई फिल्में करने की नीति नहीं अपनाई। 2003 में टाइम मैगजीन को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह धीरे-धीरे कम फिल्में करना चाहती थीं, ताकि अपनी भूमिकाओं और फिल्म निर्माण की प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान दे सकें। 2022 में कान्स के दौरान उन्होंने खुद को करियर की शुरुआत से ही 'प्रोवर्बियल टॉरटॉइज' यानी धीमी लेकिन लगातार चलने वाला कछुआ बताया था। उनका कहना था कि वह काम की रफ्तार खुद तय करती हैं और हर साल रिलीज होने वाली फिल्मों की संख्या को सफल करियर का पैमाना नहीं मानतीं। क्या बॉलीवुड ने ऐश्वर्या को साइडलाइन किया? ऐश्वर्या के करियर को लेकर सवाल है कि एक समय बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाने वाली अभिनेत्री को अब पहले की तरह फिल्में क्यों नहीं मिल रही हैं? इस सवाल पर ऐश्वर्या ने 2023 में जवाब दिया था। कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनसे पूछा गया कि हिंदी सिनेमा उन्हें 'पोन्नियिन सेल्वन' जैसे गहराई वाले किरदार क्यों नहीं दे रहा है। इसके जवाब में उन्होंने कहा था, 'यह एक ऐसा खामोश सवाल है, जो मुझे लगता है कि सभी क्रिएटिव लोग खुद से पूछते हैं।' उन्होंने कहा था कि ऐसे निर्देशक भी हैं, जो महिला कलाकारों के लिए जटिल और प्रभावशाली किरदार लिखते हैं। मणिरत्नम जैसे निर्देशकों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उनके साथ काम करना कलाकारों के लिए संतुष्टि देने वाला अनुभव है। ऐश्वर्या का यह बयान उनके करियर के मौजूदा दौर को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाए हुए हैं, लेकिन हिंदी सिनेमा में लंबे समय से किसी बड़ी फिल्म फ्रेंचाइजी या मुख्य भूमिका में नजर नहीं आई हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि बॉलीवुड ने उन्हें पूरी तरह साइडलाइन कर दिया है। फिल्मों के बीच लंबे अंतराल की एक वजह उनकी अपनी प्राथमिकताएं और कार्यशैली भी रही है। लेकिन 2023 के उनके बयान से पता चलता है कि महिला कलाकारों को उम्र और करियर के अलग-अलग पड़ाव पर चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिलने का मुद्दा उनके लिए महत्वपूर्ण है। 'पोन्नियिन सेल्वन' में नंदिनी बनकर फिर साबित की अपनी अभिनय क्षमताः-हिंदी फिल्मों से दूरी के बीच ऐश्वर्या ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में वापसी की। 2022 में मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वनः पार्ट 1' रिलीज हुई। इसमें उन्होंने नंदिनी का किरदार निभाया। यह ऐतिहासिक कहानी चोल साम्राज्य की राजनीति, सत्ता संघर्ष और षड्यंत्रों पर आधारित थी। ऐश्वर्या का किरदार नंदिनी कहानी के महत्वपूर्ण किरदारों में से एक था। 2023 में फिल्म का दूसरा हिस्सा 'पोन्नियिन सेल्वनः पार्ट 2' रिलीज हुआ। इसमें ऐश्वर्या ने नंदिनी के साथ मंदाकिनी देवी का किरदार भी निभाया। दोनों भूमिकाओं से उन्होंने साबित किया कि वह खूबसूरती और ग्लैमर के साथ जटिल किरदार निभाने की क्षमता भी रखती हैं। इस फिल्म के लिए उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा में सराहना मिली। 2024 में आईफा उत्सवम में 'पोन्नियिन सेल्वनः पार्ट 2' के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। यह वापसी बताती है कि ऐश्वर्या आज भी दर्शकों को आकर्षित कर सकती हैं। जरूरत ऐसे किरदारों और निर्देशकों की है, जो उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सकें। कान्स में दो दशक से ज्यादा समय से कायम है ऐश्वर्या का जलवाः-ऐश्वर्या की ग्लोबल पहचान का बड़ा हिस्सा कान्स फिल्म फेस्टिवल से जुड़ा है। उन्होंने 2002 में 'देवदास' के साथ कान्स में मौजूदगी दर्ज कराई थी। 2003 में वह फेस्टिवल की जूरी में शामिल हुईं। इसके बाद से वह कान्स के रेड कार्पेट पर भारत का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उनके कपड़ों, लुक और रेड कार्पेट अपीयरेंस की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में चर्चा होती रही है। वह बड़े फैशन ब्रांड्स और अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में नजर आती रही हैं। लोरियल पेरिस के साथ उनका जुड़ाव उनकी ग्लोबल ब्रांड पहचान का अहम हिस्सा है। 2009 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। 2012 में फ्रांस सरकार ने उन्हें ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स सम्मान दिया। ऐश्वर्या की पहचान फिल्मों तक सीमित नहीं रही। वह भारतीय सिनेमा, फैशन, सौंदर्य और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख चेहरों में शामिल हो चुकी हैं।

इस दिवाली कम बजट में सजाएं घर,पुरानी चीजों से घर को दें नया फेस्टिव लुक-जानें आसान टिप्स

बेंगलुरू। दिवाली पर घर सजाने के लिए बाजार में एक से बढ़कर एक डेकोरेटिव आइटम मिलते हैं, लेकिन इन्हें खरीदने में अच्छा-खासा पैसा खर्च हो जाता है। ऐसे में सवाल है कि कम खर्च में घर को खूबसूरत और फेस्टिव लुक कैसे दिया जाए? इसके लिए घर में रखे पुराने दुपट्टे, दीये, कांच की बोतलें और झालरें भी सजावट के काम आ सकती हैं। थोड़ी क्रिएटिविटी से इन्हें नया लुक देकर घर के अलग-अलग कोनों को आकर्षक बनाया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि कम बजट में घर को फेस्टिव लुक कैसे दें। साथ ही जानेंगे कि- बिना महंगी लाइटिंग खरीदे घर में फेस्टिव माहौल कैसे बनाएं? पुराने कांच के जार, बोतल और ट्रे से सजावट कैसे करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- दिपांशी जोशी, सीनियर इंटीरियर डिजाइनर, आइरिस स्टूडियोज, बेंगलुरू जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- घर सजाने से पहले बजट और जरूरतें कैसे तय करें? जवाब- कम बजट में घर सजाने के लिए सबसे पहले तय करें कि कितना खर्च करना है और घर के किस हिस्से को सजाने से सबसे ज्यादा बदलाव दिखेगा। पूरा घर एक साथ सजाने की बजाय मुख्य दरवाजे, लिविंग रूम और पूजा की जगह को प्रिऑरिटी दें। बजट तय करें- 500, 1,000 या 2,000 रुपए की सीमा रखें। खरीदारी से पहले तय कर लें कि किस चीज पर कितना खर्च करना है। पुरानी चीजें रीयूज करें-पुरानी झालरें, दीये, फूलदान, दुपट्टे, ट्रे और टोकरी निकालकर देखें। कई चीजें नई सजावट में इस्तेमाल हो सकती हैं। सिर्फ जरूरी सामान खरीदें-गैरजरूरी सजावटी चीजें खरीदने की बजाय मौजूदा सामान को नए तरीके से इस्तेमाल करें। सवाल- अगर खरीदारी का बजट ही न हो तो घर को नया लुक कैसे दें? जवाब- घर में मौजूद चीजों को थोड़े क्रिएटिव तरीके से इस्तेमाल करके बिना पैसे खर्च किए भी फेस्टिव लुक दिया जा सकता है। पुराने दुपट्टे से सजाएं टेबल- चमकीले या कढ़ाई वाले दुपट्टे को सेंटर टेबल या पूजा की चौकी पर टेबल रनर की तरह बिछाएं। किनारे व्यवस्थित रखें, ताकि वह सजावटी कपड़े जैसा दिखे। दीयों से बनाएं सेंटर पीसः-अलग-अलग आकार के पुराने दीयों को साफ करके एक ट्रे में सजाएं। बीच में फूलों की कुछ पंखुड़ियां रखें। जलते दीयों को कपड़े और दूसरी ज्वलनशील चीजों से दूर रखें। कांच की बोतल को बनाएं फूलदानः-साफ कांच की बोतल में बगीचे के ताजे फूल और हरी पत्तियां लगाएं। इसे डाइनिंग टेबल या कमरे के किसी कोने में रखें। पुरानी झालरों को सही जगह लगाएंः-झालर को बेतरतीब लटकाने की बजाय मुख्य दरवाजे के फ्रेम या खिड़की के किनारे लगाएं। इस्तेमाल से पहले तार और प्लग की जांच करें। कुशन कवर बदलकर रंग जोड़ेंः-घर में रखे अलग-अलग रंगों के कुशन कवर को इस तरह लगाएं कि वे सोफे या बेड के रंग से मेल खाएं। इससे बिना नया कवर खरीदे कमरे का लुक बदल सकता है। सवाल- घर की दीवारों को बिना पेंट कराए फेस्टिव लुक कैसे दें? जवाब- घर में पहले से मौजूद चीजों की मदद से भी दीवारों को सजा सकते हैं। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- फोटो फ्रेम की नई अरेंजमेंट करें- अलग-अलग दीवारों पर लगे फोटो फ्रेम को एक जगह समूह में लगाएं। बड़े फ्रेम को बीच में और छोटे फ्रेम को आसपास रखें। दुपट्टे से बनाएं बैकड्रॉप- रंगीन या कढ़ाई वाले दुपट्टे को दीवार के एक हिस्से पर अच्छी तरह फैलाकर लगाएं।इसके सामने पूजा की चौकी या छोटी मेज रख सकते हैं। पुरानी सजावटी प्लेटें लगाएं-घर में मौजूद सजावटी प्लेटों को दीवार पर एक समूह में लगाएं।पहले सुनिश्चित करें कि हुक मजबूत हों और प्लेटें सुरक्षित तरीके से टंगी हों। पेपर डेकोरेशन बनाएं- रंगीन कागज से फूल या पंखे के आकार की सजावट बनाकर दीवार पर डिटैचेबल टेप से लगाएं। टेप पहले दीवार के छोटे हिस्से पर जांच लें, ताकि पेंट न उखड़े। सवाल- पुराने पर्दे, चादर और दुपट्टे से सजावट कैसे करें और कलर थीम कैसे चुनें? जवाब- पहले कमरे में मौजूद पर्दों, सोफे और दीवारों के रंग देखें। फिर उनसे मेल खाते दो या तीन



रंग चुनें। पारंपरिक लुक- लाल, पीला और सुनहरा रंग चुनें। लाल या सुनहरे दुपट्टे को पूजा की चौकी पर बिछा सकते हैं। सॉफ्ट लुक- क्रीम, सफेद और हल्का हरा रंग रखें। हल्के रंग का मेजपोश और हरे पौधे इस थीम के साथ अच्छे लगेंगे। मेज की सजावट-साफ पुरानी चादर को मेजपोश की तरह इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि कपड़ा जमीन तक न लटके। कुशन और पर्दे-पुराने कुशन कवर धोकर या प्रेस करके लगाएं। पर्दे साफ और कमरे के रंगों से मेल खाते हों तो उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है। एक ही जगह पर बहुत सारे रंग और प्रिंट इकट्ठा न करें। इससे सजावट बिखरी हुई लग सकती है। सवाल- बिना महंगी लाइटिंग खरीदे घर में फेस्टिव माहौल कैसे बनाएं? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- पूरे घर में झालरें लगाने की बजाय मुख्य दरवाजे, खिड़की या बालकनी में से एक-दो जगह चुनें। पिछले साल की झालरें इस्तेमाल करने से पहले तार, प्लग और बल्ब जांच लें। बालकनी की रेलिंग या खिड़की के किनारे झालर को एक समान दूरी पर लगाएं। शीशे के पास सुरक्षित तरीके से झालरें लगाने से रोशनी ज्यादा दिखाई दे सकती है। पूजा की जगह पर स्थिर सतह पर दीये या एलईडी दीये रखें। सवाल- घर के प्रवेश द्वार, पूजा की जगह और डाइनिंग टेबल को कम खर्च में कैसे सजाएं? जवाब- घर में मौजूद चीजों को व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करें। प्रवेश द्वार- दरवाजा साफ करें, सामने छोटी रंगोली बनाएं और उपलब्ध हों तो दोनों तरफ गमले रखें। जगह हो तो चौखट पर फूलों की माला लगाएं। पूजा की जगह- चौकी पर साफ कपड़ा बिछाएं। दीये, फूल और पूजा की जरूरी सामग्री व्यवस्थित रखें। डाइनिंग टेबल- बीच में एक ट्रे रखकर उसमें छोटा फूलदान और कुछ सजावटी चीजें रखें। खाने के लिए पर्याप्त जगह छोड़ें। पुरानी ट्रे और जार- ट्रे को सेंटरपीस की तरह इस्तेमाल करें और साफ कांच के जार में फूल या बैटरी से चलने वाली एलईडी लाइट रखें। साधारण कांच के जार में खुली लौ वाला दीया न रखें। गर्मी से कांच टूट सकता है। कम बजट में घर सजाते समय हर चीज बदलने की बजाय सिर्फ एक-दो प्रमुख जगहों पर ही फोकस करना चाहिए। रंगों के सही तालमेल और पुरानी चीजों को नए तरीके से अरेंज करने से भी पूरे घर का लुक बदल सकता है। सवाल- पुराने कांच के जार, बोतल और ट्रे से सजावट कैसे करें? जवाब- दिवाली की सजावट के लिए खाली जार, कांच की बोतलें और पुरानी ट्रे को फेंकने की बजाय उनसे सुंदर डेकोर पीस बना सकते हैं। रंगीन जार लैंटर्न बनाएं-पुराने जार के बाहर रंगीन टिशू पेपर के छोटे टुकड़े चिपकाएं। सूखने के बाद अंदर बैटरी से चलने वाली छोटी एलईडी लाइट रखें। इसे खिड़की, शेल्फ या पूजा की जगह के पास रखें। ध्यान दें: खुली लौ वाला दीया जार के अंदर न रखें। बोतल को बनाएं डिजाइनर फूलदान-साफ और सूखी बोतल के निचले हिस्से पर जूट की रस्सी लपेटें। बीच में पुरानी लेस या कपड़े की पतली पट्टी लगाएं। इसमें गेंदा, गुलाब या हरी टहनियां सजाकर सेंटर टेबल पर रखें। पुरानी ट्रे को दें फेस्टिव लुक- ट्रे को अच्छी तरह साफ करें। किनारों पर घर में उपलब्ध सजावटी लेस या कपड़े की पट्टी लगाएं। बीच में फूलों की पंखुड़ियां और छोटा फूलदान रखें। इसे प्रवेश द्वार के पास किसी मेज पर सजाएं। जार से हैंगिंग डेकोर बनाएं-जार के मुंह के नीचे मजबूत सजावटी तार या रस्सी को सुरक्षित तरीके से बांधें। अंदर बैटरी वाली एलईडी लाइट रखें। इसे किसी मजबूत हुक से लटकाएं, जहां हवा में झूलकर किसी से टकराने का खतरा न हो। भारी जार को रेलिंग या कमजोर हुक पर न लटकाएं। पुराने जार पर बनाएं रंगीन डिजाइन- जार के बाहर पेंट से छोटी बिंदियां, फूल या ज्योमैट्रिक डिजाइन बनाएं। सूखने के बाद इसमें आर्टिफिशियल फूल या एलईडी लाइट रखें। दो-तीन जार को अलग-अलग ऊंचाई पर रखने से सजावट ज्यादा आकर्षक लगेगी। बचे हुए फूलों से बनाएं फ्लोटिंग फ्लावर डेकोर-कांच के बड़े बाउल या गिलास में आधा पानी भरें। उसमें गेंदे और गुलाब की पंखुड़ियां डालें। पानी की सतह पर तैरने वाला छोटा दीया रखें और उसे जलाएं। इसे पूजा स्थल या सेंटर टेबल पर सजाएं। पुरानी चूड़ियों से बनाएं डेकोरेटिव कैंडल होल्डर- पुरानी कांच की चूड़ियों को अलग-अलग रंगों में छांटें। उन्हें छोटे और मजबूत बेस पर सजावटी आकार में चिपकाएं। इसमें केवल बैटरी से चलने वाली एलईडी टी-लाइट का इस्तेमाल करें। दिवाली की सजावट में हर खाली जगह भरना जरूरी नहीं है। एक फोकल पॉइंट, दो-तीन मेल खाते रंग और सही रोशनी पूरे घर को ज्यादा प्रीमियम दिखा सकती हैं। सवाल- क्या रंगोली बनाने के लिए महंगे रंग और स्टेंसिल खरीदना जरूरी है? जवाब- नहीं, छोटी और सरल रंगोली भी सुंदर दिख सकती है। इसके लिए घर में उपलब्ध सामग्री इस्तेमाल कर सकते हैं। प्रवेश द्वार के पास फूलों की पंखुड़ियों से गोल या फूल के आकार की रंगोली बनाएं। चावल के आटे या पहले से मौजूद रंगों से सरल डिजाइन तैयार करें। डिजाइन बनाने में परेशानी हो तो गोल कटोरी की मदद से गोल आकार बनाकर उसके चारों ओर पंखुड़ियां सजाएं। सवाल- छोटी बालकनी या घर के किसी कोने को फेस्टिव लुक कैसे दें? जवाब- छोटी जगह को सजाने के लिए फर्श पर ज्यादा सामान रखने की बजाय उपलब्ध जगह का सही इस्तेमाल करें। गमलों को ऊंचाई के हिसाब से व्यवस्थित करें। इससे पौधे अलग-अलग दिखाई देंगे। पहले से मौजूद छोटी मेज पर फूलदान या सजावटी ट्रे रखें। बालकनी में उपयुक्त एलईडी झालर लगाएं और तारों को सुरक्षित तरीके से बांधें। कमरे के किसी खाली कोने में एक फूलदान और ट्रे रखकर सजावट कर सकते हैं। सवाल- घर सजाते समय किन गलतियों से बचें, ताकि बजट न बिगड़े? जवाब- सजावट में कई बार छोटी-छोटी खरीदारी से खर्च बढ़ जाता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें- सोशल मीडिया पर देखकर ऐसी चीजें न खरीदें, जो घर के आकार या जरूरत के अनुकूल न हों। एक ही जगह पर बहुत सारे रंग, प्रिंट और सजावटी वस्तुएं न रखें।इस्तेमाल के बाद सजावटी सामान साफ करके डिब्बों में रखें, ताकि अगले साल दोबारा खरीदना न पड़े।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।